RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 26 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 01 अप्रेल 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

एक अच्छे चरित्र का निर्माण हजारों ठोकरें खाने के बाद ही होता है।

स्वामी विवेकानंद

अप्रैल से नही खुलेंगे स्कूल

माही की गूंज, झाबुआ।

कोरोना संक्रमण कोविड 19 के प्रकोप के कारण बच्चों की एक वर्ष की पढ़ाई पहले ही बर्बाद हो गई है। कोरोना का टिका आने और कोरोना के मामले नियंत्रित होने के बाद नए सत्र में कक्षा 1 से 8 तक के स्कूल 1 अप्रैल से खोले जाने के आदेश शिक्षा मंत्री ने दिए थे। लेकिन वर्तमान में फिर से कोरोना के मामलो में तेज़ी से होती वृद्धि को देखते हुए, कोरोना संक्रमण से रोकथाम के लिए मध्यप्रदेश शासन ने कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों की स्कूल को खोलने का फैसला अभी स्थगित कर दिया है।

उपचुनाव के चार अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र खारिज

दमोह। विधानसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें निर्वाचन अधिकारी द्वारा चार नामांकन पत्रों को निरस्त कर दिया गया। इस प्रकार अब 37 अभ्यर्थियों में से 33 अभ्यर्थी ही शेष रह गए हैं। निर्वाचन अधिकारी राकेश मरकाम ने बताया कि, दमोह विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्रों की जांच की गई जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में निजाम सिंह, भगवान दास, चंद्रप्रभा एवं अनंतलाल बसोर के नामांकन में कुछ बिंदुओं पर कमी रहने के चलते इनके नामांकन पत्र निरस्त किए गए। इस प्रकार 33 अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र शेष रह गए हैं। 3 अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकते हैं।

नशे में बड़े भाई ने छोटे भाई की पीट-पीटकर कर दी हत्या

रतलाम। जिले के ताल थाना क्षेत्र में शराब के नशे में धुत बडे भाई ने छोटे भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार ताल थानान्तर्गत ग्राम नेगरुन निवासी श्रवण गायरी का सोमवार की रात्रि शराब के नशे में अपने छोटे भाई सत्यनारायण (25) से विवाद हो गया। दोनो ही भाई शराब के नशे में धुत थे। देखते ही देखते विवाद बढ गया और बडे भाई श्रवण ने अपने छोटे भाई सत्यनारायण की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार दोनों भाइयों में अक्सर विवाद होता रहता था, लेकिन नौबत हत्या तक जा पहुंची। पुलिस ने आरोपी श्रवण को गिरफ्तार कर लिया है, उसके विरुद्ध हत्या का प्रकरण दर्ज किया गया है।

केरोना के चलते महाराष्ट्र और म.प्र. के बीच चलने वाली बसों पर रोक बढ़ी

भोपाल। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेज उछाल देखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार ने महाराष्ट्र से यहां आने-जाने वाली बसों के आवागमन पर 30 अप्रैल तक प्रतिबंध बढ़ा दिया है। बता दे कि, देश में कोविड-19 बीमारी से पीड़ित इलाज करा रहे लोगों में से 79 फीसदी से अधिक मामले पांच राज्यों में हैं, जिनमें से 61 फीसदी से अधिक लोग अकेले महाराष्ट्र में हैं।

कल रिटायर्ड हुए जिला कार्यपालन यंत्री पंवार दो साल की संविदा नियुक्ति की फिराक में आखिर क्यों?

कमीशन के चक्कर में एसडीओ अग्रवाल को 31 मार्च की बजाए 27 को ही कर दिया रिलीव

रामा में आखिर मनावर की कौन सी एजेंसी कर रही पंवार के लिए काम, क्लस्टर के बाहरी उपयंत्रियों को दे रखे है कार्य

माही की गूंज, झाबुआ। संजय भटेवरा

– जिला कार्यपालन यंत्री सुरेश पंवार

– साहब के ऑफिस के बाहर हमेशा लगा रहता है कार्य स्वीकृति के लिए ऐसा मजमा

एक समय था जब झाबुआ जिला अधिकारीयो के लिए सजा के रूप में माना जाता था,। लेकिन अधिकरियों ने धीरे-धीरे आपदा को ऐसे अवसर में बदल दिया की, अब आलम ये है कि, हर अधिकारी झाबुआ जिले के विभाग में पदस्थ होने और यहां रुकने के लिए लाखों रूपए बहा रहा है। आदिवासी बाहुल्य इलाका होने के कारण यहां सरकार की चल रही योजना के अतिरिक्त कई कार्य खासकर मनरेगा योजना के माध्यम से आते है। जिनके नाम पर अधिकारी सहित कार्य से जुड़े विभाग के कर्मचारी और अघोषित ठेकेदार विकास के नाम पर भ्रष्टाचार की गंगा में गोते लगा रहे है।

31 मार्च को रिटायर्ड होने वाले कार्यपालन यंत्री संविदा नियुक्ति की जुगाड़ में, लाखो का ऑफर, मनरेगा में बाकी है करोड़ा का भुगतान

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा झाबुआ के कार्य पालन यंत्री सुरेश पंवार 31 मार्च को रिटायर्ड हो चुके है, जिसके बाद विभाग की कमान किसी नए अधिकारी के पास जाना है। लेकिन सूत्रों की माने तो पंवार रिटायरमेंट के बाद भी अपनी कुर्सी का मोह नही छोड़ पा रहे है। लाखो-करोड़ो के व्यारे न्यारे करने के बाद भी साहब की भ्रष्ट पिपासा शांत नही हुई है और पंवार साहब शासन के नियमों का फायदा उठाते हुए दो साल का एक्टेंशन (संविदा नियुक्ति) लेने की जुगाड़ में है। मिली जानकारी अनुसार साहब ने एक दिल्ली छाप नेता के माध्यम से 20 से 25 लाख रुपए में पूरी सेटिंग जमा ली है, जिसके बाद कार्यपालन यंत्री पंवार को न केवल संविदा नियुक्ति मिलेगी, वरन् झाबुआ जिले में ही नियुक्ति प्राप्त करेंगें। जिसके बाद अपने कार्यकाल में होने वाले करोंड़ो के कार्यो के फर्जी बिल के धड़ल्ले से भुगतान करवाकर जिला छोड़ेंगे।

आखिर कार्यपालन यंत्री पंवार एक्टेंशन क्यों चाहते है?

जब इसकी जानकारी जुटाई तो पता लगा कि, कोरोना काल के पहले से लेकर अब तक के समय में जिले में मनरेगा में हुए कार्यो का भुगतान जिसमे निस्तार तालाब, कुंटूर, चैक डेम, स्टॉप डेम, जीएसबी मार्ग सहित आदि कई कार्यो के करोड़ो रूपए के बिल लगे हुए है, जिनका भुगतान होना है और हर बिल के पीछे साहब का कमीशन फिक्स है। बताया जा रहा, कई बिल तो साहब के खुद के ही लगना है, जो सेटिंग वाली एजेंसी के माध्यम से पूरा के पूरा माल साहब की जेब मे जाएगा।

मनावर की कौन सी एजेंसी है जो कर रही पंवार के लिए रामा में काम? भुगतान में अड़ंगा डालने वाले को किया रवाना

आरईएस के जिला कार्यपालन यंत्री सुरेश पंवार के जिले में रुकने के पीछे एक और बड़ा कारण सामने आया है, जो कि जिले के रामा विकास खण्ड से सामने आ रहा है। जहां करोड़ो रूपए के स्टॉप डैम का काम ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के माध्यम से चल रहा है। मिली जानकारी अनुसार स्टॉप डेम के कार्य मे धार जिले की मनावर की कोई एजेंसी (ठेकेदार) लगी हुई है। जिसकी जानकारी यहां तक मिली रही है कि, उक्त कार्य करने वाले अप्रत्यक्ष रूप से जिला कार्यपालन यंत्री पंवार ही है। रामा में बनने वाले इन डेम के नाम पर एक करोड़ का भुगतान हो चुका है और करोड़ों का भुगतान अभी होना बाकि है।

बताया जा रहा कि, स्थान्तरित हो चुके एसडीओ अग्रवाल ने इन बिलो को स्वीकृत करने के लिए अपने कमीशन की मांग की, लेकिन मामला पंवार की अप्रत्यक्ष एजेंसी (ठेकेदारों) के बिलो का था, इसलिए बिल पर कमीशन देना साहब को ठीक नही लगा और 27 मार्च को ही पेटलावद उपखंड के एसडीओ अग्रवाल को रिलीव कर दिया। जबकि अग्रवाल 31 मार्च तक रुकना भी चाहते थे और पंवार से उन्होंने 31 तक रुकने का भी कहा था। अब एसडीओ की रवानगी के नए एसडीओ का चार्ज भी ऐसे किसी सहायक यंत्री या उपयंत्री को दिया जाएगा जो साहब के इशारों पर काम करे।

क्लस्टर और विभाग के कार्य मे काम कर रहे बाहरी क्षेत्र के उपयंत्री, एक-एक काम मे तीन अलग उपयंत्री

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में वर्तमान में एक विकास खण्ड में एक ही उपयंत्री है, जिसको विभाग के काम देखना है। वर्कलोड की स्थिति में क्लस्टर के उपयंत्रियों के लिए आदेश भी किए हुए है। लेकिन क्लस्टर के किसी उपयंत्री को विभाग ने काम नही दिया और फिलहाल विभाग के काम के स्टीमेंट पर कोई और उपयंत्री हस्ताक्षर कर रहा है, तो कार्य कोई और उपयंत्री देख रहा है, वहीं विभाग या क्लस्टर का उपयंत्री कोई और है।

बात करे रामा विकास खण्ड की तो, यहां विभाग का उपयंत्री दिलीप गुप्ता और पेटलावद विकास खंड में भूरिया है, लेकिन पंवार साहब की मेहरबानी से खुद के सेटिंगबाज़ उपयंत्री रामा में भरखोड़ा और पेटलावद में मैडा है जो कि, दोनों ही सर्व शिक्षा अभियान के उपयंत्री है, निर्माण कार्य देख रहे है। जो कार्य ये देख रहे है उनमें से कई स्टीमेंट पर इनके ओर विभाग के उपयंत्रियों के हस्ताक्षर भी नही है। कई कामो को वन विभाग के कार्य देख रहे शर्मा उपयंत्री स्वीकृत कर रहे है। झाबुआ में बैठे-बैठे बिना कार्य का निरीक्षण किए और बिना देखे कमीशन लेकर शर्मा कार्य स्वीकृत कर रहे है। मिली जानकारी के अनुसार जिला कार्यपालन यंत्री ने पेटलावद आरईएस एसडीओ के लिए रामा के एक सहायक यंत्री का आदेश भी कर दिया है, लेकिन जुगाड़ नही जमा तो आदेश निरस्त भी कर दिया गया और नए आदेश जारी कर दिए।

अखंड करेगे पेटलावद-रामा को खण्ड-खण्ड

विभाग में साहब के खास माने जाने वाले और भ्रष्टाचार में साहब के बराबर के हिस्सेदार झाबुआ विकास खण्ड के वर्तमान एसडीओ अखंड को पेटलावद और रामा का अतिरिक्त चार्ज देने की जानकारी मिल रही है, जो राणापुर विकास खण्ड में जो कार्य मजदुरो से भी करवाया जा सकता था ऐसे मनरेगा के कार्यो में भी खुलेआम भारी मशीनें चलवा चुके है एवं बाहरी ब्लाक के मजदुरों का फर्जी रूप से जाबकार्ड लगाकर राशि आहरण करवा चुके है। कुल मिलाकर अखंड अब पेटलावद और रामा को भी खण्ड-खण्ड करेंगें ओर साहब को संविदा नियुक्ति नही मिलती है, तो साहब के काम और उनके हस्ते के भुगतान का हिस्सा साहब के खाते में पहुंच जाएगा ये तय है।

लिया जाए सम्प्पति का ब्यौरा और बिलो के भुगतान की जानकारी, होंगे बेनामी संपत्ति के खुलासे

झाबुआ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में जमे जिला कार्यपालन यंत्री सुरेश पंवार के सेवानिवृत्त के बाद इनकी संपत्ति और इनके हस्ते जिन-जिन बिलो के भुगतान किए गए है उनकी जांच हो तो लाखो के फर्जी बिलो के भुगतान की जानकारी सामने आएगी। यदि ऐसा होता है तो तय है साहब की बड़ी बेनामी संपत्ति के साथ-साथ विभाग में हुए बड़े भ्रष्टाचार का मामला उजागर होगा।

कृषि कानूनों पर गठित समिति ने एससी को सीलबंद लिफाफे में सौंपी रिपोर्ट, 5 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट (एससी) की और से गठित समिति ने तीन नए कृषि कानूनों पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। सीलबंद लिफाफे में सौंपी गई रिपोर्ट पर 5 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। समिति के एक सदस्य ने सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट सौंपे जाने की पुष्टि की है, लेकिन यह नहीं बताया है कि इसमें क्या सिफारिशें की गई हैं। तीन सदस्यीय समिति के सदस्य और कृषि अर्थशास्त्री अनिल घनवात ने कहा, सुप्रीम कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में 19 मार्च को यह रिपोर्ट सौंपी गई थी। बता दे कि, सुप्रीम कोर्ट की और से कमिटी को रिपोर्ट सौंपने के लिए 20 मार्च तक का वक्त दिया गया था।

तीन नए कृषि कानूनों को लेकर पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के किसानों के विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट ने समिति का गठन किया था। रिपोर्ट तैयार करने के लिए इस समिति ने देश के 85 किसान संगठनों और उनसे जुड़े लोगों से बातचीत की थी। उम्मीद की जा रही है कि, समिति की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार और आंदोलनकारी किसानों के बीच गतिरोध टूटेगा और किसी एक बिंदु पर सहमति बन सकेगी। इस समिति में अशोक गुलाटी और प्रमोद जोशी को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। इसी साल जनवरी में तीन नए कृषि कानूनों को लेकर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इन्हें लागू करने पर रोक लगा दी थी।

भाजपा के स्टार प्रचारक बनकर भी सिंधिया कांग्रेस के निशाने पर

भोपाल। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए स्टार प्रचारकों की लिस्ट में राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम शामिल किया है। लेकिन इससे कांग्रेस को हमला करने का एक और मौका मिल गया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अजय सिंह यादव ने कहा है कि, भाजपा में सिंधिया की स्थिति बिन बुलाए मेहमान जैसी हो गई है। भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में 24 वें नंबर पर सिंधिया है। कांग्रेस ने कहा- भाई साहब बिन बुलाए मेहमान जैसे बीजेपी की लिस्ट में सिंधिया को 24 वें नंबर पर रखा गया है, जबकि सीएम शिवराज सिंह चौहान का नाम 14 वें नंबर पर है। इसको लेकर कांग्रेस उन्हें बार-बार निशाना बना रही है। अजय सिंह यादव ने कहा है कि, सिंधिया को घर के लोग धक्का दे रहे हैं, लेकिन वे जाने को तैयार नहीं हैं। यादव ने कहा कि, मीडिया और विपक्षी दलों द्वारा उलाहना देने के बाद सिंधिया को दिखावे के लिए चौथे चरण के लिए स्टार प्रचारक की सूची में शामिल किया गया है। उनसे न तो कहीं प्रचार कराया जाएगा, न किसी रणनीति में शामिल किया जाएगा।

राफेल लड़ाकू विमान का एक और जत्थे ने फ्रांस से भारत के लिए भरी उड़ान

नई दिल्ली एजेंसी। राफेल लड़ाकू विमान का एक और जत्था भारत के लिए उड़ान भर चुका है। फ्रांस स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी देते हुए कहा किए राफेल की यह यात्रा निर्वाध होगी। संयुक्त अरब अमीरात के द्वारा हवा में ही ईंधन भरा जाएगा।

बता दें किए भारत और फ्रांस के बीच 36 राफेल लड़ाकू विमान की डील है। भारत में फ्रांसीसी दूत ने कल ही कहा है किए कोरोना के बावजूद 2022 तक तय समय में सारे लड़ाकू विमान भारत को सौंप दिए जाएंगे। उन्होंने कहा है किए यह हमारे लिए गर्व की बात है कि कोरोना के बावजूद हम भारत को तय समय और उससे पहले राफेल सौंपने के लिए सक्षम हैं। उन्होंने आगे कहा थाए श्अभी 21 राफेल भारत को दिए गए हैं। 11 पहले से ही भारत को दिए गए। 3 अभी उड़ान भड़ने वाले हैं। अप्रैल अंत तक पांच और दे दिए जाएंगे। फ्रांसीसी दूत इमैनुअल लेनिन ने कहा है किए अनुबंध के अनुसार 2022 तक सभी 36 विमानों को भारत को सौंप दिया जाएगा

9 अप्रैल से शुरू होगी आईपीएल की जंग

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2021 की शुरुआत होने में कुछ दिन बाकी हैं। आईपीएल के 14वें संस्करण की शुरूआत 9 अप्रैल से होगी। ऐसे मे सभी टीमें खिताब जीतने के लिए जोरदार अभ्यास कर रही हैं। इस बार होने वाले आईपीएल की खास बात ये है कि कोई भी टीम अपने घरेलू मैदान पर मैच नहीं खेलेगी। 9 अप्रैल से शुरू होने वाला आईपीएल 30 मई तक खेला जाएगा। इस दरम्यान 8 टीमों के बीच कुल 56 मैच खेले जाएंगे।

कब शुरू होगा आईपीएल 2021

आईपीएल 2021 की शुरुआत 9 अप्रैल से होगी। आईपीएल का पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चेन्नई में खेला जाएगा।

सनकपन: एसएएफके जवान ने मंगेतर के भाई और मां को मारी गोली

भोपाल। विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के एक जवान ने शाहपुरा इलाके में अपनी मंगेतर के घर पहुंचकर विवाद किया और उसके भाई व मां को गोली मार दी। घटना मंगलवार देर रात की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान युवती के भाई ने दम तोड़ दिया। जबकि मां की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है, आरोपित जवान को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शाहपुरा थाना प्रभारी महेंद्र कुमार मिश्रा के अनुसार एसएसएफकी सातवीं वाहिनी में पदस्?थ जवान अजीत सिंह चौहान (28) की सगाई पिछले वर्ष भारत नगर के सब्जी फॉर्म में रहने वाली रिंकी धाकड़ (26) से हुई थी। रिंकी एमपी नगर में स्थित एक निजी बैंक में कर्मचारी है। आरोपित अजीत सिंह सनकी मिजाज का है और उसे रिंकी का पुरुष सहकर्मियों के साथ बातचीत करना या कहीं आना-जाना पसंद नहीं था। मंगलवार रात तकरीबन साढ़े 11 बजे अजीत सिंह अपनी एसएलआर राइफल लेकर रिंकी के घर पहुंचा और विवाद करने लगा। रिंकी व उसके परिजनों ने अजीत के शक के बर्ताव का विरोध किया और सगाई तोड़ने की बात कही। इस पर अजीत अपना आपा खो बैठा और उसने पास खडे मंगेतर रिंकी के भाई रितिक (22) पर अपनी राइफल से गोली चला दी, गोली उसके पेट से आर-पार हो गई। इसके बाद उसने रिंकी की मां पर भी फायर कर दिया। इससे घर में चीख-पुकार मच गई। रिंकी और उसके परिजनों ने किसी तरह अजीत को काबू में किया और उससे राइफल छीनते हुए उसे कमरे में बंद कर लिया, इसके बाद उन्होंने पुलिस को खबर की। पुलिस ने मोके पर पहुंचकर घायल मां-बेटे को तुरंत अस?पताल भिजवाया और आरोपित को राइफल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली एचसी ने पुलिस से फेसबुक के अधिकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई की मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट (एचसी) ने फेसबुक और उसके अधिकारियों के कथित आपराधिक कृत्यों और डिजिटल साजिश के खिलाफकार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को देने का अनुरोध करने वाली याचिका पर दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर और उसकी साइबर क्राइम सेल की और से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि, वास डेटा सर्विसेज की और से की गई शिकायत पर पहले ही कार्रवाई बंद की जा चुकी है। जस्टिस अनु मल्होत्रा ने 24 मार्च के अपने आदेश में इस संबंध में अगली सुनवाई के पहले स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी।

केंद्र सरकार ने कांग्रेस को दिया नया मुद्दा, अब पिछड़ेपन पर वार

बिकाऊ-टिकाऊ के साथ दमोह के पिछड़ेपन को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

भोपाल

दमोह में छिड़ चुकी उपचुनाव की जंग में बिकाऊ और टिकाऊ के मुद्दे पर मैदान में उतरी कांग्रेस को घर बैठे एक और मुद्दा मिल गया है। आश्चर्यजनक रूप से यह कांग्रेस को यह मुद्दा भाजपा शासित केंद्र सरकार के जरिए ही मिला है। अब कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर दमोह के घर गांव और मोहल्ले में प्रदेश की भाजपा सरकार को पुरजोर तरीके से घेरेगी। वहीं भाजपा भी नामांकन के साथ ही क्षेत्र में विकास की गंगा दिखाकर जनता के बीच अपनी पहुंच बढ़ाएगी। असल में कांग्रेस के हाथ में अब नीति आयोग की रिपोर्ट आ गई है। इस रिपोर्ट में नीति आयोग ने दमोह सहित प्रदेश के आठ जिलों को पिछड़ा मानते हुए इनके लिए अलग से प्रावधान करने पर जोर दिया है। अपने ही विधायक के दल

बदल के कारण उपचुनाव झेल रही कांग्रेस अब इस रिपोर्ट को पूरे विधानसभा क्षेत्र के घर-घर तक लहराने की तैयारी कर रही है। सभी सभाओं में मंच से इस रिपोर्ट के सहारे दमोह के पिछड़ेपन को बताया जाएगा। साथ ही पंद्रह साल की भाजपा सरकार में दमोह का पिछड़ापन दूर नहीं होने के आरोप भी खुलकर लगाए जाएंगे। कांग्रेस प्रवक्ता एवं मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता का कहना है कि दमोह पर उपचुनाव का बोझ डालने की जिम्मेदार ही भाजपा है। आज भाजपा की गलत नीतियों के कारण क्षेत्र की जनता को दोबारा अपना विधायक चुनने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सत्ता की खातिर विधायकों की खरीद फरोख्त की परंपरा प्रदेश में भाजपा ने डाली है। फिर पंद्रह साल तक प्रदेश में भाजपा की सरकार रही, जयंत मलैया लगातार वित्त मंत्री रहे, फिर भी दमोह प्रदेश में पिछड़े जिलों में शुमार क्यों है? इसका जवाब तो भाजपा को देना ही होगा। भाजपा ने चुनाव प्रचार तेज होते ही कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन का वीडियो जारी कर वोट के लिए नोट बांटने की शिकायत चुनाव आयोग में की है। मगर कांग्रेस ने एक और वीडियो के जरिए ही इस आरोप को आईना दिखाने का काम किया है। विधायक रहे राहुल लोधी के दलबदल को मुद्दा बनाकर कांग्रेस पहले ही दिन से क्षेत्र में बिकाऊ-टिकाऊ का मुद्दा उठाए हुए है। इस वीडियो के हाथ आते ही भाजपा को बिकाऊ-टिकाऊ के आरोप से बचने का रास्ता नजर आने लगा था। मगर अब कांग्रेस बिकाऊ-टिकाऊ के मुद्दे के साथ ही इस वीडियो को लेकर भी भाजपा के खिलाफ जनता के बीच पहुंचने की तैयारी में जुट गई है।

विधायक जोशी को सौंपी कमान, दो विधायकों का डेरा

कांग्रेस ने इस उपचुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाते हुए अपने विधायकों की पूरी फौज दमोह में उतार दी है। उपचुनाव का प्रभारी विधायक पीसी शर्मा को बनाया गया है। जबकि कमलनाथ के करीबी पूर्व मंत्री व विधायक लखन घनघोरिया, संजय यादव को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। होली के अगले दिन से ही विधायक जोशी सहित सभी जिम्मेदार नेता दमोह में डेरा डाल देंगे। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री व पीसीसी चीफ कमलनाथ की अगली सभा 7 अप्रैल को रखी गई है। दमोह के प्रभारी रवि जोशी का कहना है कि दमोह में विधायक की खरीद फरोख्त और पिछड़ापन सबसे बड़ा मुद्दा है। जनता हमारे साथ है। जनता को भी पता है कि प्रदेश में लगातार 15 साल भाजपा की सरकार रहने के बाद भी क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं हुआ। किसान, महिला, युवा, व्यापारी सहित सभी वर्ग परेशान हैं। कोरोना काल में बेरोजगारी हर घर में बढ़ गई, लेकिन सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया।

पीएम अब विदेश तक झूठ बोलने लगे : पटवारी

उज्जैन

विकास योजना (मास्टर प्लान 2035) को लेकर बीजेपी के स्थानीय नेताओं के बीच विवाद के बाद मामला काफी दूर तक बढ़ गया है। विकास योजना को लेकर सबकी अलग-अलग राय है। मास्टर प्लान को लेकर बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव और पूर्व मंत्री पारस जैन का वीडियो भी सामने आया था। जिसके बाद यह मामला फिर चर्चाओं में है। नया मास्टर प्लान शुरुआत से ही सवालों में घिरा में है। समस्त भूमि को आवासीय करने जैसी प्रस्ताव इसमें शामिल है। जानकारी के अनुसार शहर के कुछ बिल्डर और कुछ नेताओं के गठजोड़ के कारण सिंहस्थ कुंभ मेले की जमीन को आवासीय करने पर जोर दे रहे हैं, तो शहर का एक तबका इस जमीन को सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए आरक्षित कराने के पक्ष में है।

कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी भी अब उज्जैन की सिंहस्थ कुंभ मेले की जमीन पर चल रहे विवाद में कूद पड़े हैं। उन्होंने सीधे-सीधे आरोप लगाते हुए कैबिनेट मंत्री मोहन यादव को लेकर कहा कि मंत्री मोहन यादव और उनके परिवार सहित कुछ कॉलोनी नाइजर के 5 हेक्टेयर से अधिक जमीनें सांवरा खेड़ी और जीवन खेड़ी क्षेत्र में है और यह सभी क्षेत्रों की जमीनों को मास्टर प्लान के तहत आवासीय बनाने की चाह में है। कई लोग इधर इस बात को लेकर पहले से ही बीजेपी विधायक ने भी इस जमीन को सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए मुक्त कराने की बात कही। जीतू पटवारी ने कहा कि सिंहस्थ कुंभ मेले की जमीन के लिए अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और साधु-संतों ने भी छोड़ने की बात कही है और अगर इसके बावजूद भी यह नहीं हुआ तो इसको लेकर हम विधानसभा में भी सवाल उठाएंगे। मास्टर प्लान 2035 के तहत जीवन खेड़ी, सांवरा खेड़ी सहित आसपास के क्षेत्र की जमीन शहरी क्षेत्र से लगी हुई है। शिप्रा नदी के किनारे बड़ा भाग इन जमीनों का लगा हुआ है। कुछ साल पहले विकास प्राधिकरण के माध्यम से सांवर खेड़ी को और शिप्रा नदी पर पुल बनाकर इसको शहरी क्षेत्र से जोड़ दिया गया था। उस वक्त भी इस ब्रिज को लेकर काफी विरोध का सामना करना पड़ा था। इस मास्टर प्लान

को लेकर भी विधायक पारस जैन ने सवाल खड़े करते हुए कहा था कि अगर नदी के आसपास के क्षेत्रों की जमीन पर कॉलोनी कटेगी तो शिप्रा में प्रदूषण बढ़ेगा। मास्टर प्लान 2035 को लेकर कई आपत्तियां आई हैं। इसमें सबसे अधिकतर 258 आपत्तियां सिंहस्थ क्षेत्र की जमीन मुक्त कराने को लेकर मंत्री मोहन यादव सिंहस्थ क्षेत्र की ही सांवरा खेड़ी और जीवन खेड़ी की जमीन को आवासी करने का प्रस्ताव के पक्ष में बताए जा रहे हैं। वहीं बीजेपी विधायक पारस जैन की ओर से इस पर अभी से विरोध शुरू हो गया है, दावे आपत्ति को लेकर हुई बैठक में विधायक पारस जैन ने यहां तक कह दिया था कि अगर इस मामले में गलत फैसला हुआ तो जनता कभी जनप्रतिनिधियों को माफ नहीं करेगी। सिंहस्थ भूमि को लेकर बदलाव पर अखाड़ा परिषद ने भी मोर्चा खोल दिया है परिषद के प्रतिनिधि महंत रामेश्वर गिरी ने कहा कि सिंहस्थ भूमि को आवासीय करने से विवाद जैसी स्थिति बनेगी जनप्रतिनिधियों और अधिकारी जिम्मेदार होंगे। इस दौरान कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर निशाना साधा जिसमें पीएम मोदी ने कहा था कि बांग्लादेश की आजादी के लिए वह भी सत्याग्रह कर रहे थे। जीतू पटवारी ने कहा कि उस वक्त पूरा देश बांग्लादेश की आजादी के लिए प्रयास कर रहा था तो पीएम मोदी सत्याग्रह कहां कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी झूठ के एक पराकाष्ठा हैं। पीएम मोदी ने पूरे देश से झूठ बोला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो बोला झूठ बोला देश और विदेश में भी झूठ बोला। ऐसे पीएम का तो भगवान ही मालिक है।

भाजपा उम्मीदवार का दावा, 'चुनाव नहीं लड़ने का दबाव डाल रही पार्टी'

वर्धमान। पश्चिम बंगाल की गलसी (सुरक्षित) विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार तपन बागड़ी ने शनिवार को दावा किया कि पूर्वी वर्धमान जिले का पार्टी नेतृत्व उन पर चुनाव नहीं लड़ने का दबाव डाल रहा है क्योंकि उनके खिलाफ छेड़छाड़ का एक झूठा मामला लंबित है। उन्होंने धमकी दी कि यदि उन्हें चुनाव नहीं लड़ने दिया गया तो वह आत्मदाह कर लेंगे। बागड़ी की उम्मीदवारी की घोषणा नई दिल्ली से की गई थी। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कई नेताओं के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास के मामले लंबित हैं, फिर भी उन्हें उम्मीदवार बनाया गया है।उन्होंने यह भी कहा कि वह सोमवार को भाजपा उम्मीदवार के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष अभिजीत ने कहा कि बागड़ी को शुक्रवार को मामले से संबंधित दस्तावेज जमा करने के लिए कहा गया था और उन्होंने ऐसा किया भी।

अब भाजपा के किसान मोर्चा ने तोड़ी गाइड लाइन

देवास

एक ओर प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह कह रहे हैं कि इस बार कोरोना दुगनी ताकत के साथ वापस आया है तो वहीं देवास में भाजपा किसान मोर्चा का जिला स्तरीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ। बीजेपी के इस आयोजन में बीजेपी नेता और पदाधिकारि सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाते हुए नजर आए। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी की उपस्थिति में कन्नौद कृषि उपज मंडी में आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ो कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।बीजेपी नेता दर्शन सिंह चौधरी ने उपस्थित कार्यकर्ता और किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार किसानों की सरकार है। किसानों के बारे में भाजपा से अच्छा कोई नहीं सोच सकता है। आज जो किसानों की दुर्दशा हो रही है उसका कारण कांग्रेस है। कांग्रेस की नीतियों की सजा किसान भुगत रहा है। केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान दिन रात किसानों के हित में कार्य करने में लगे हैं।समर्थन मूल्य पर किसानों की उपज उचित मूल्य पर खरीदी जा रही है। खातेगांव विधायक ने भी उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के समय यूरिया खाद के लिए किसानों को खातेगांव थाने में लाइन लगाना पड़ता था। जबकि हमारी सरकार ने किसानों का सम्मान बचाते हुए खाद बीज की पर्याप्त व्यवस्था की है। खेत की बिजली 10 घंटे करने से किसान भी समय पर सिंचाई करके अधिक उत्पादन ले रहे हैं।कोरोना काल मे लगातार संक्रमण बढ़ रहा है लेकिन प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना को लेकर गाइडलाइन जारी की है, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता सत्ता के नशे में चूर होकर सरकार के गाइड लाइन की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं। पिछले दिनों देवास कलेक्टर चंद्रमौली शुक्ला ने जिले में धारा 144 लागू लगाई थी। कोरोना गाइडलाइन के अनुसार कोई सामाजिक कार्यक्रम में अधिकतम 100 लोगों से ज्यादा भीड़ एकत्र नहीं हो सकेगी। फिर भी कन्नौद मंडी परिसर में जो नेता, लोगों जागरूक करने की बात कह रहे थे। उन्हीं लोगों ने जमकर शासन की गाइडलाइन का मजाक उड़ाया। इस दौरान प्रशासन मूकदर्शक बनकर देखता रहा।

कांग्रेस और माकपा भ्रम के शिकार : नड्डा

चक्कराक्कल। केरल में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस और माकपा पर जोरदार हमला बोला। कहा, दोनों दलों विचारधारा को लेकर भ्रम के शिकार हैं। केरल में ये एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं जबकि पश्चिम बंगाल में ये दोनों साथ मिलकर चुनाव मैदान में हैं और सरकार बनाने के सपने देख रहे हैं। विचारधारा के स्तर पर यह अजीबोगरीब घालमेल है।

नड्डा ने यह बात धर्मादम सीट पर भाजपा प्रत्याशी सीके पद्मनाभन के पक्ष में प्रचार करते हुए कही। उन्होंने जिस समय यह बात कही उस समय बंगाल में प्रथम चरण के लिए मतदान चल रहा था। इसी सीट पर माकपा की ओर से मुख्यमंत्री पिनराई विजयन चुनाव लड़ रहे हैं। सबरीमाला मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं के प्रवेश के मसले पर भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सत्तारूढ़ माकपा और मुख्यमंत्री विजयन ने श्रद्धालुओं के आंदोलन को कुचलने की हर संभव कोशिश की। जबकि कांग्रेस केवल जुबानी विरोध तक सीमित रही। भाजपा ने न केवल श्रद्धालुओं के आंदोलन का समर्थन किया, बल्कि सड़क पर भी उनका पूरा साथ दिया।

दोषियों पर होगी कार्रवाई

बिहार विधानसभा में हुए हंगामे के सबूत जुटा रही है आचार समिति

पटना

23 मार्च मंगलवार को बिहार विधानसभा में हुए हंगामे और तोड़फोड़ के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई का निर्णय किया है। अब यह मामला विधानसभा की आचार समिति को सौंप दिया गया है। इस पूरे मामले में आचार समिति के सभापति राम नारायण मंडल का कहना है कि विधानसभा अध्यक्ष से जो निर्देश प्राप्त होगा, उसे गंभीरता पूर्वक देखेंगे। मंडल ने कहा कि कोई भी फैसला सभी सबूतों और वीडियो देखने के बाद ही किया जाएगा। यदि विधायक दोषी पाए गए तो उनपर कार्रवाई जरूर करेंगे।

अचार समिति में हैं ये सभी

राम नारायण मंडल - सभापति (बीजेपी), अरुण कुमार सिन्हा - सदस्य (बीजेपी), ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू - सदस्य (बीजेपी), अचमित ऋषिदेव - सदस्य (जदयू), विश्वनाथ राम - सदस्य (राजद)

बिना भेदभाव होगी जांच

विधानसभा में हुए हंगामे के बाद मामला

आचार समिति को भेजे जाने से ही यह साफ हो गया है कि अब सारे हंगामा करनेवाले विधायकों पर कारवाई की है। आचार समिति के सदस्य ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू का कहना है कि आचार समिति में सत्ता पक्ष के साथ-साथ विपक्ष के लोग भी हैं। जांच में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। सभी फैसले सबूतों के आधार पर किए जाएंगे। भविष्य में इस तरह की घटना दुबारा न हो इसलिए विधायकों पर करवाई जरूरी है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि दोनों पक्षों पर हो कार्रवाई

आचार समिति में ज्यादातर सदस्य सत्ताधारी दल के विधायक हैं। इसके अलावा एक सदस्य राजद का भी है। मामला विधायकों पर कार्रवाई से जुड़ा है, लिहाजा समिति के सदस्य आपस में बैठक कर सर्वसम्मति से ही कोई कोई निर्णय करेंगे। विरोधी दलों के नेताओं का कहना है कि सिर्फ विधायकों पर कार्रवाई से बात नहीं बनने वाली है। कार्रवाई उन लोगों पर भी होनी चाहिए जिन्होंने विधायकों के साथ मारपीट की। कांग्रेस नेता प्रेम चंद मिश्रा ने कहा कि करवाई दोनों ओर होनी चाहिए। ज्यादा दोषी पुलिसकर्मी हैं, जिन्होंने ने सदन में विधायकों की पिटाई की।

नीतीश कुमार माफी मांगें : राजद एमएलसी

वहीं राजद एमएलसी रामबली चंद्रवंशी ने कहा कि कार्रवाई की बात बाद में होनी चाहिए, सबसे पहले नीतीश कुमार माफी मांगें।

भाजपा सांसद लॉकेट पर हमला, चेहरे पर जहरीला रंग फेंकने का आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शनिवार को पहले चरण का मतदान हुआ और इस दौरान कई हिंसा और झड़प की खबरें आईं। इसी बीच चुचुड़ा विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार और सांसद लॉकेट चटर्जी पर जहरीले रंग फेंका गया। भाजपा सांसद ने टीएमसी पर इसका आरोप लगाया है। लॉकेट चटर्जी ने आरोप लगाया कि कि शाम वह महिला समर्थकों के साथ रवींद्रनगर के कालीतला मैदान आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। तभी कोदालिया दो नंबर ग्राम पंचायत के तृणमूल पंचायत प्रधान विद्युत विश्वास के नेतृत्व में टीएमसी के गुंडों ने उन पर जहरीला रंग डाला। इस हमले में लॉकेट चटर्जी की आंख और मुंह के कुछ हिस्से जख्मी हुए हैं। हालांकि टीएमसी ने इन आरोपों को खारिज किया है। इस मामले को लेकर भाजपा ने कहा कि घृणा, हिंसा और उत्पीड़न का ये खेला अब जल्द ही समाप्त हो जाएगा। भाजपा ने कहा कि हार की डर से परेशान टीएमसी के लोग अब महिलाओं को परेशान कर रहे हैं। लॉकेट चटर्जी के अलावा सुवेंदु अधिकारी के भाई सोमेंदु अधिकारी की गाड़ी पर हमला हुआ था। इस मामले पर सुवेंदु अधिकारी ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया था कि वो बूथ अधिकारियों को प्रभावित कर रहे हैं। इस हमले में सोमेंदु अधिकारी की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके अलावा पश्चिम मिदनापुर जिले के मोहनपुर में एक मतदान केंद्र पर भाजपा और टीएमसी के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई थी। इसके अलावा सालबोनी में एक मतदान केंद्र पर सीपीआईएम और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई थी। इसमें दो लोग घायल हो गए थे।

राज्यपाल से मिलेंगे पार्टी नेता

पंजाब में बीजेपी विधायक से मारपीट का मामला गरमाया

चंडीगढ़

पंजाब के मलोट शहर में अबोहर के बीजेपी विधायक अरुण नारंग के साथ आंदोलनकारी किसानों की बदसलूकी करने से राजनीति काफी गर्म हो चुकी है। वहां एक तरफ तकरीबन 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 307 यानी हत्या की साजिश के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं इस मामले में पंजाब बीजेपी के नेताओं के नेतृत्व में पंजाब बीजेपी चीफ अश्वनी शर्मा रविवार सुबह 11:30 बजे पंजाब के राज्यपाल से मिलेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पहले ही बीजेपी नेताओं को आश्वासन दिया है कि भारतीय किसान यूनियन के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे। पुलिस प्रदर्शनकारियों की पहचान कर रही है। वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि बीजेपी विधायक अरुण नारंग पर हुए जानलेवा हमले ने पंजाब में कानून-व्यवस्था की नाकामी को उजागर कर दिया है। उन्होंने अपने बयान में इस पूरे मामले पर सीएम अमरिंदर सिंह को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह केवल निंदनीय नहीं है, बल्कि राज्य के लिए चिंताजनक है। इसके साथ ही चुघ ने पंजाब में कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपनी विफलता के लिए मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। दरअसल, पंजाब की अबोहर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक अरुण नारंग शनिवार को मलोट पहुंचे। अरुण नारंग यहां पंजाब सरकार के खिलाफ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने आए थे। इसी दौरान उनपर हमला हुआ था। हमलावरों ने उनके कपड़े फाड़ दिए और उनके चेहरे पर कालिख पोत दी। पुलिस की मदद से उन्हें बचाया गया था। वहीं, इस मामले में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। सीएम अमरिंदर ने साथ ही प्रधानमंत्री मोदी से किसानों का मुद्दा सुलझाने की अपील भी की है। मुख्यमंत्री ने डीजीपी दिनकर गुप्ता को इस हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। इस पूरे मामले में 250 से 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा- 307 समेत 353,186, 188, 332, 342, 506, 148, 149 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मलोट में किसानों ने सिर्फ भाजपा विधायक नारंग के साथ ही मारपीट नहीं की। बल्कि भाजपा के दो और नेताओं के साथ भी हाथापाई की। पुलिस भाजपा नेताओं को एक दुकान के अंदर ले गई और पीछे के रास्ते से उन्हें निकाला।सूत्रों ने बताया कि हाथापाई के दौरान एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को भी हल्की चोट लगी क्योंकि हाथापाई करीब एक घंटे तक जारी रही। भाजपा के नेता भी मलोट में भाजपा कार्यालय तक नहीं पहुंच सके, जहां उन्हें दोपहर 3 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी थी। किसानों ने भाजपा कार्यालय में पार्टी के झंडे भी जलाए।

कांग्रेस के हमले के बाद संजय राउत ने किया शायराना ट्वीट, लिखा- बुरा न मानो होली है

मुंबई

महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। कांग्रेस को शिवसेना और एनसीपी की नजदीकी खटकने लगी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के चेयरमैन पद के लिए एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार की लॉबिंग कर रहे शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत को आईना दिखाते हुए उन्हें पवार का प्रवक्ता बता दिया है। वहीं इसके बाद पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे की पुत्री विधायक प्रणिती शिंदे ने भी राउत पर निशाना साधा है। इससे चर्चा शुरू हो गई है कि राउत के पवार प्रेम से महाविकास आघाड़ी सरकार के साथ खेल हो सकता है।

अब भला इतने हमले के बाद राउत ने भी एक ट्वीट करते हुए लिखा है कि बुरा न मानो

होली है आसमान में उड़ने की मनाही नहीं है... बस शर्त इतनी है कि जमीन को नजर अंदाज न करें..!! हालांकि इस ट्वीट से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि राउत ने किसपर हमला बोला है। लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे कांग्रेस के ऊपर पलटवार माना जा रहा है।

बता दें कि कुछ दिन पहले मुखपत्र में संपादकीय लिखने के बाद संजय राउत पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार को यूपीए का चेयरमैन बनाने के लिए खुलकर बोल भी चुके हैं। उनका कहना है कि यूपीए लकवाग्रस्त हो गया है, इसलिए शरद पवार को गठबंधन का प्रमुख बनाया जाना चाहिए। कांग्रेस की नाराजगी की परवाह किए बिना राउत ने कहा कि दिल्ली में कुछ लोग यूपीए-2 की तैयारी कर रहे हैं।

इसलिए अगर विपक्ष को भाजपा से लड़ना है तो शरद पवार को यूपीए का चेयरमैन नियुक्त करना चाहिए। राउत यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि यूपीए के बारे में बोलने के लिए यूपीए में होना जरूरी नहीं है। यूपीए राष्ट्रीय विषय है। इसलिए राजस्तरीय नेता इस बारे में ज्यादा ज्ञान न दें।संजय राउत की बयानबाजी के बाद नाना पटोले ने आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। उन्होंने कहा कि शिवसेना को यह नहीं भूलना चाहिए कि महाविकास आघाड़ी सरकार कांग्रेस के समर्थन से ही बनी है। वे शरद पवार की वकालत न करें।

ओवैसी का मोदी पर हमला

आपने बांग्लादेश के लिए सत्याग्रह किया, तो गाली हमें क्यों दे रहे हैं?

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांग्लादेश दौरे पर सियासी बयानबाजी जारी है। ममता बनर्जी ने पहले ही पीएम मोदी के बांग्लादेश दौरे पर सवाल उठाया था। वहीं, अब एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी पीएम मोदी पर निशाना साधा है।ओवैसी ने पीएम मोदी के बांग्लादेश में दिए एक बयान का जिक्र करते हुए उन पर निशाना साधा है। ओवैसी ने मुर्शिदाबाद में एक चुनावी सभा में कहा, पीएम मोदी ने कल कहा था कि उन्होंने बांग्लादेश की आजादी के लिए सत्याग्रह किया। अगर आपने सत्याग्रह किया तो आप मुर्शिदाबाद के लोगों को बांग्लादेशी क्यों कहते हैं। आप हमें गाली क्यों देते हैं? इससे पहले ममता बनर्जी ने खड़गपुर में एक चुनावी रैली में कहा था कि बंगाल में जब चुनाव हो रहे हैं तब पीएम मोदी एक समुदाय का वोट पाने के लिए बांग्लादेश गए हैं। ममता

ने ये भी कहा कि बंगाल में चुनाव चल रहे हैं और वे बांग्लादेश जाकर बंगाल पर लेक्चर दे रहे हैं। यह चुनाव आचार संहिता का पूरी तरह उल्लंघन है। बता दें कि पीएम मोदी ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा था, बांग्लादेश की आजादी के लिए संघर्ष में शामिल होना मेरे जीवन के भी पहले आंदोलनों में से एक था। मेरी उम्र 20-22 साल रही होगी जब मैंने और मेरे कई साथियों ने बांग्लादेश के लोगों की आजादी के लिए सत्याग्रह किया था। बांग्लादेश की आजादी के समर्थन में तब मैंने गिरफ्तारी भी दी थी और जेल जाने का अवसर भी आया था।

साला मैं तो साहब बन गया...

खुद भ्रष्टाचार की जांच में घिरा सचिव, जनपद का अधिकारी बनकर निपटा रहा सीएम हेल्पलाइन की शिकायत

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

पेटलावद जनपद पंचायत का कार्यालय अब पूरी तरह भ्रष्टाचार के समंदर में डूब चुका है। भ्रष्टाचार की खबरों के बाद जनपद में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। विकास खण्ड की एक पंचायत का सचिव जो खुद भ्रष्टाचार के आरोपो से घिरा होकर जिले से रिकवरी तक निकल चुकी है। जनपद के अधिकारियों के मुंह लगे होने के कारण उक्त सचिव का भ्रष्टाचार के मामले में कुछ नही बिगड़ा और ''साला मैं तो साहब बन गया'' कि, तर्ज पर अपने आपको जनपद का अधिकार समझने लग गया, जनपद पंचायत क्षेत्र की सीएम हेल्पलाइन शिकायत का निपटारा करने के लिए शिकायतकर्ताओं को फोन लगाकर जनपद में बुलाकर सीईओ से बात करवाने के झूठे आश्वासन देकर लोगो को गुमराह कर रहा है। ग्राम पंचायत कुंभाखेड़ी में किए गए भ्रष्टाचार की शिकायत ग्राम के रामा निनामा द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर की गई थी। शिकायत का निराकरण तो नही हुआ लेकिन मोबाइल नंबर 7389354595 से 20 मार्च को शिकायतकर्ता के पास फोन आता है, फोन करने वाला शिकायतकर्ता से शिकायत की पूरी जानकारी लेता है और सोमवार को जनपद में बुलाकर साहब से बैठकर बात कराने का आश्वासन देता है। शिकायतकर्ता फोन करने वाले से पूछता है तो जनपद से फोन करना बताता है। रामा निनामा द्वारा पूरी बातचीत रिकॉर्ड करने के बाद फोन पर मिले आश्वासन के चलते पूरे दिन सोमवार को जनपत के चक्कर लगाता है, लेकिन उसे वहां कोई नही मिलता। शिकायतकर्ता रामा निनामा ने बताया कि, मेरे द्वारा उसी नम्बर पर फोन किया गया पर किसी ने फोन नही उठाया और शाम को उसी नम्बर से मिस कॉल देखकर दोबारा फोन आया और फोन करने का कारण पूछा तो रामा ने बताया कि, आपके कहने पर जनपद में आया था, लेकिन दिन भर परेशान होने के बाद भी कोई नही मिला, न ही आपने फोन उठाया। तो जनपद के अधिकारी बने सचिव ने शिकायतकर्ता को दोबारा जनपद ने आने का समय देकर चौहान साहब से बात करने को कहा गया।

मामले की जानकारी हमारे गूंज प्रतिनिधि को लगी, तो उक्त नम्बर पर फोन करने पर पता चला कि ये नंबर किसी जनपद के अधिकारी का नही होकर विकास खण्ड के एक सचिव का है, जो खुद भ्रष्टाचार के मामले में फंसा हुआ है और कई गंभीर आरोप भी उक्त सचिव पर लगे हुए है। ऐसे में जनपद में होने वाली शिकायतो पर इस सचिव के द्वारा शिकायते निपटाने का गंभीर मामला भी सामने आया है। जिसकी जांच होनी चाहिए कि, आखिर किसके इशारों पर सचिव सीएम हेल्पलाइन की शिकायते निपटाने का काम कर रहा है।

सचिव से जब प्रतिनिधि ने इस प्रकार के कार्य करने की जानकारी ली गई, तो सचिव का कहना है कि, अधिकारी के कहने पर कॉल किया था, जिसके बाद से शिकायतकर्ता लगातार सचिव के नम्बर पर फोन कर के जानकारी लेने का प्रयास किया लेकिन अब कोई फोन उठा नही रहा है।

निराकरण नही होने पर सीईओ की कर दी शिकायत, सीईओ ने कहा जितना मर्जी हो शिकायत करो मेरा कुछ नहीं होगा

ग्राम पंचायत में फैले भ्रष्टाचार की लिखित और सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत का निराकरण नही होने पर शिकायतकर्ता रामा निनामा द्वारा जनपत सीईओ चौहान की शिकायत कर दी। शिकायत में बताया कि, शिकायत के निराकरण के नाम पर सीईओ द्वारा गुमराह कीया जा रहा है। रामा निनामा ने बताया कि, जब मैं साहब के पास गया तो मुझे कहने लगे कि, मेरी शिकायत क्यो की और जितनी मर्जी हो उतनी शिकायत करो, जो जवाब देना है वो तो हमको ही देना है, तू गाँव में अकेला है जिसको ग्राम पंचायत से तकलीफ है, तेरे अलावा कोई शिकायत नही कर रहा है तो तुम क्यो कर रहे हो, तुम्हारी शिकायत से मेरा कुछ भी नहीं होने वाला। ऐसा बोल कर सभी शिकायते बन्द करने का कहने लगे गए।

शिकायतों के निपटारे के लिए ले चुके है सम्मान

पेटलावद जनपद सीईओ एनएस चौहान जिला स्तर पर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतो के निराकरण में अव्वल होने के लिए सम्मनित हो चुके है। लेकिन धरातल पर शिकायतो का निराकरण करने की बज़ाए ऐसे लोगो से फोन लगवा कर गुमराह कर कई शिकायतें बिना किसी परिणाम के बन्द करवा दी गई होगी, ये भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार से सचिव के द्वारा अधिकारी बनकर जिस प्रकार से शिकायत कर्ता से बात की गई, कही न कही मामले में मिली भगत कर शिकायत को रफा-दफा करवाकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसकी जांच भी होना चाहीए।

घर लौट रहे युवक पर हमला कर बाइक, मोबाइल और पैसे लुटे

पीड़ित युवक के मिलने जुलने वालो ने ही दिया लुट की घटना को अंजाम, पुलिस ने नही की सुनवाई

माही की गूंज, पेटलावद/झकनावदा।

मंगलवार शाम को तारखेड़ी से जूनापानी लौट रहे युवक अजय पिता नांदिया गुंडिया से साथ 10-15 लड़कों ने अजय का दुपहिया वाहन रोककर मारपीट की और लूट की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। पीड़ित अजय गुंडिया ने बताया कि, मारपीट और लूट करने वालो में से तीन लोगों को मैं जानता हूं, जो कि तूफान जीप से अपने 10 से 12 साथियो के साथ अचानक मेरे सामने आए और मेरे और मोटर साइकिल पर बैठे मेरे साथी कहजी मुनिया निवासी जूनापानी के साथ मारपीट की और मेरी बाईक एमपी 45 एमएच 1303, मोबाइल जिसका नम्बर 7999070260 था और 52 हजार नगदी जो गेंहू बेचकर उधारी के रुपए लालू बन्ना तारखेड़ी वाले को भरने गया था। लालू बना नही मीले तो पैसे वापस लेकर घर जा रहे थे की रास्ते में लुटेरे लूट कर भाग गए। लुटेरों ने हमला कर युवक के कपड़े निकाल कर नंगा कर दिया। पीड़ित के साथी ने घर पहुंचकर पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद पीड़ित युवक अपने परिजन के साथ चौकी झकनावदा पर पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दी।

नही लिखी रिपोर्ट, मेडिकल थमाकर किया रवाना

लूट और मारपीट का शिकार युवक अजय गुंडिया ने बताया कि, घटना की रिपोर्ट लिखाने जब झकनावदा चौकी पर पहुंचे तो, चौकी पर रिपोर्ट नही लिखी और उल्टा डांटने लग गए और बाद में मेडिकल का लेटर बनाकर दे दिया। मेडिकल करवाने के लिए भी चौकी से कोई जवान पेटलावद साथ नही आया। लुट के शिकार हुए अजय का कहना है कि, वो घटना को अंजाम देने वालो में से तीन लोगों के नाम भी पुलिस को बताए है जो कुछ दिन पूर्व है मुझसे 20-25 दिन के लिए बिना ब्याज के 73 हजार रुपए उधार भी लेकर गए थे और जवाबदारी के रूप में एक चार पहिया वाहन भी छोड़ गए थे, जिसकी लेख-पढ़ भी स्टाम्प पर की थी। लेकिन विवाद जैसी कोई बात नही थी फिर भी इस प्रकार की घटना को अंजाम क्यों दिया गया, मेरी जानकारी में नही है।

मामले में चौकी प्रभारी श्री मावी का कहना है कि, दोनों पक्षो के मध्य आपसी लेन -देन का विवाद है और अजय की रिपोर्ट पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जलते अंगारों के बीच चलकर, गल में झूलकर मनन्तधारियो ने की मन्नत पूरी

ग्राम टेमरिया , जलती आग से गुजरते मन्नतधारी और घी से भरे बर्तन जिससे आग को और तेज़ किया जाता है।

माही की गूंज, पेटलावद।

होली के त्यौहार पर अंचल में गल-चूल मेले का पारंपरिक आयोजन होता है जहाँ बड़ी संख्या में मनन्तधारी धधकते अंगारों और गले मे फंद्दा डालकर गल पर झूल कर अपनी मन्नत पूरी करते है, जहां मामूली आग से लोग जल जाते है वही आस्था के चलते लोग बिना किसी संकोच अंगारों से गुजर जाते है और किसी को आंच तक नही आती। हर वर्ष आस्था से लबरेज़ इन आयोजन को देखने के लिए सैकड़ो लोग पहुंचते है। अंचल में सारंगी, करवड़, टेमरिया, रायपुरिया, झकनावदा सहित जगह-जगह गल और चूल मेलो का आयोजन होता है।

60 किलो घी से अंगारों को किया जाता है ज्यादा गर्म

पेटलावद तहसील के ग्राम टेमरिया में हिगलाज माता की मन्नत रखकर अपनी मुराद रखते है और मुराद पूरी होने पर दहकते अंगारो पर चलकर अपनी मन्नत को पूरी करते है, यहां भरी जाने वाली चूल पर चलने वालों को एक साथ चूल पर ढोल धमाकों के साथ लाया जाता है जहां चूल में धधकते अंगारों की आग को तेज करने के लिए लगभग 60 किलो घी डाला ज़ाता है और भरी आग के मनन्तधारी बेझिझक आग से गुजर जाते है। इसी प्रकार ग्राम करवड़ में भी कई मनन्तधारी मुख्य बाजार के मंदिर पर हर वर्ष आयोजित होने वाले चूल से गुजर कर मन्नत पूरी करते है।

आस्था पर विश्वास भारी, धधकते अंगारो पर नंगे पैर चले मन्नतधारी

सारंगी। संजय उपाध्याय

कई वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार हिंगलाज माता मंदिर पर धधकते हुए अंगारों पर सोमवार शाम माताजी मंदिर और ओम्कारेश्वर महादेव मंदिर स्थित हिंगलाज माता मंदिर पर करीब 20 फीट लंबी चूल में 50 से अधिक मन्नत धारियों ने चूल में नंगे पैर चलकर मन्नत उतारी। चूल में कई क्विंटल लकड़ी जलाकर अंगारे तैयार किए जाते हैं। इसमें घी डाला जाता है, पक्के अंगारे तैयार होने के बाद फिर पूजा-अर्चना करके बारी-बारी से मन्नतधारी चूल में चलते हैं और अपनी मन्नत पूरी करते हैं।

ऐसा मानना है कि, चूल में जो भी मन्नत लेकर चलता है उसकी मां हिंगलाज माई विश्वाश के साथ मन्नत पूरी करती है, चूल को देखने के लिए आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं तथा मां का आशीर्वाद लेते है।

अंचल में धुलेटी के दिन कई स्थानों पर होता है गल और चूल मेले का आयोजन

बोडायता, मांडन, बोलसा, मोहनपुरा, डाबड़ी, बाछीखेड़ा, खामडिपाडा, बैंगनबड़ी, कसारवाडी, बमती, उमेदपुरा, अमरहोली, मठमठ आदि कई गांवों के ग्रामीण हजारो की तादात में चूल को देखने के लिए पहुंचते हैं।

प्रशासन रहा अलर्ट

पेटलावद तहसीलदार अलावा, आरआई मीणा, चौकी प्रभारी अशोक बघेल ने अपने पूरे स्टाफके साथ व्यवस्था संभाल रखी थी। पूरे मंदिर परिसर में शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए चूल आयोजन को सफल बनाया।

झकनावदा, आनंद सिंह सौलंकी

ग्राम झकनावदा में भी धुलेडी के अवसर पर मन्नत धारियों का धधकते अंगारों पर चलना और गल पर झूल कर मन्नत को पूरा करने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हुए, प्रति वर्ष होने वाले इस आयोजन स्थल पर मनन्तधारियो को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते है आयोजन स्थल पर मेले जैसा माहौल बन जाता है, जहां ग्रामीणों के अलावा बच्चों ने खेलों का आनंद लिया खिलौने खरीदे और बच्चों के मनोरंजन के साधन भी बड़ी संख्या में आए जिसका उपस्थित ग्रामीणों ने लुफ्त उठाया।

कोरोना का नही दिखा कोई असर

कोरोना के बढ़ते केसों के बीच आस्था का केंद्र बन चुके चूल मेलो पर कोई प्रभाव कोविड का नही देखा गया, प्रशासन की उपस्थिति में जगह-जगह भारी भीड़ उमड़ी, सोशल डिस्टेंसीग और मास्क पूरी तरह नदारत नजर आए, जिले के कई बड़े नेता इन आयोजनो में शामिल होकर भीड़ बढ़ते नजर आए। कहा जा सकता है लोगो की आस्था कोरोना पर भी भारी पड़ी।

सारंगी, चूल देखने को उमड़ी भीड़ ओर चूल से निकलते मन्नतधारी।

बन चुका है शोध का विषय

जिस तरह से लोग जलते अंगारों से गुजरते है और उनको किसी प्रकार की हानि नही होती ये विषय वैज्ञानिकों के लिए भी शोध का विषय बन चुका है कि, आखीर लोगो को अंगारों से नंगे पैर निकल कर भी किसी प्रकार की कोई चोट या हानि नही होती, जिसका आज भी कोई निष्कर्ष नही निकल सका है।

झकनावदा, गल पर झूलकर मन्नत पूरी करते मन्नतधारी।

ग्राम डुंडका में आठ मन्नतधारियों ने घुमाई गल

माही की गूंज, खच्चरटोड़ी। धुलैंडी पर ग्राम डूंडका में आदिवासी समाज ने गल पर्व मनाया व गल घूम कर मन्नत पूरी की गई। ग्रामीण परिवार के रोगमुक्त होने एवं अच्छी बारिश के लिए भी गल देवता की मन्नत लेते है। मन्नत पूरी होने पर धूलैंडी के दिन मन्नतधारी गल पर घूमकर मन्नत पुरी करते है। ग्राम डुंडका में करीब 20 फिट उंचे मचान पर चढ़ गल घुमाकर मन्नत पूरी की। इस आयोजन को देखने के लिए बडी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। इस बार आठ मन्नतधारी गल पर घूमे। इस अवसर पर जनपद सदस्य रसिया पारगी, डुंडका सरपंच प्रताप ताहेड, खच्चरटोडी सरंपच प्रदीप गणावा, प्रशान्त टगरिया, यतिक खतेडिया, मिलन खतेडिया आदि उपस्थित थे।

थांदला में कोरोना ने फिर दी बड़ी दस्तक

माही की गूंज, थादला। थांदला में कोरोना ने फिर से बड़ी दस्तक दे दी है, मंगलवार को रैपिड टेस्ट के बाद एक साथ 15 मरीज कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। इसके पहले 12 मरीज पॉजिटिव थे, जो अब कुल 27 मरीज हो चुके हैं। यह नगर वासियों व स्वास्थ्य कर्मियों के लिए परेशानी को बढ़ा रहा है।

स्वच्छता के नाम पर ढोंग....

आगे-आगे पाठ पीछे-पीछे सपाट, जब तक पूरे होगे शौचालय, बना हुआ निर्माण हो जाएगा जर्जर

बहार से रंग-रोगन कर स्वच्छता का दे रहे संदेश, अंदर से अधूरे और अनुपयोगी

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद विकास खण्ड में आने वाली ज्यादातर योजनाए भ्रष्टाचार के ही भेट चढ़ी हुई है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छता अभियान के नाम पर करोड़ो बहाकर लोगो को जागरूक कर स्वछता का संदेश दे रहे है, लेकिन जमीनी स्तर पर काम कम और दिखावा ज्यादा है। घर-घर शौचालय बनाकर ग्रामीण इलाकों को शोच मुक्त करने का काम किया गया, सरकार की योजना हर घर तो पहुंची, राशि भी पहुँच गई लेकिन ग्रामीण इलाकों में ज्यादातर शौचालय शो पीस बन गए है कही अधूरे निर्माण, तो कही घटिया, कही शौचालय का दरवाजा गायब, तो कही शौचालय की शीट ही गायब है ज्यादातर शौचालयो में चारा, कंडे या अन्य सामग्री भरी पड़ी है जबकि प्रशासन ने ज्यादातर गावो को ओडीएफ बताकर खुले में शौच मुक्त बता दिया है, शौचालय के नाम पर पूरे विकास खण्ड में भ्रष्टाचार हो रहा है, केवल कागजी घोड़े दौड़ाकर टारगेट पूरा बता दिया गया।

सामुदायिक स्वच्छता परिसर के नाम पर फिर हो गया बड़ा घोटाला

निजी शौचालय के नाम पर गुमराह करने के बाद विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में सामुदायिक स्वच्छता परिसर के नाम पर बड़ा घोटाला होने की पूरी तैयारी है। विकास खण्ड की पचासों पंचायतो में स्वच्छता अभियान के तहत 3 लाख 30 हजार के स्वच्छता परिसर बनाए जाने थे, लेकिन ज्यादातर पंचायतो में 8 माह बाद भी शौचालय अधूरे पड़े है ज्यादातर पंचायतो में शौचालय ऐसे स्थान पर बनाए गए है जहां आम ग्रामीणों के उपयोग के लिए ये परिसर उपलब्ध ही नही हो सकेंगे।

घटिया निर्माण की कहानी बयां करते सार्वजनिक शौचालय

ग्राम पंचायतों में अघोषित ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यो की तरह इन सार्वजनिक शौचायल का कार्य भी ग्राम पंचायतों ने अपने चहेतों को ठेके पर देकर कार्य करवाया है, विकास खण्ड के एक-दो नही सभी सार्वजनिक शौचालयों पर ताला लटका हुआ है अंदर कार्य निर्माण की घटिया क्वालटी की कहानी खुद बया कर रहे है। बताया जा रहा है इस निर्माण का भुगतान तीन क़िस्त में होना है और दो क़िस्त का भुगतान हो चुका है लेकिन किस्तों के मान से निर्माण नहीं हुआ है।

बहार से देखने से लग रहे बिल्कुल तैयार, रंग-रोगन कर निर्माण पूरा बताने की कोशिश

सार्वजनिक स्वच्छता परिसरो को बहार से देख कर लगता है कार्य पूर्ण हो गया है और ग्रामीण इसका उपयोग कर रहे होंगे, सभी स्वच्छता परिसर पर बहार से रंग-रोगन कर स्वच्छता के संदेश लिखे गए है लेकिन वर्तमान स्थिति सभी शौचालय अधूरे ओर अनुपयोगी पड़े हुए है, शौचालयों का बहारी रंग-रोगन दिखाकर निर्माण पूरा होना बताने की कोशिश की जा रही है और देश के प्रधानमंत्री और सरकार को स्वच्छता अभियान के नाम पर गुमराह करने का कार्य किया जा रहा है। शौचालयों के अंदर, प्लास्टर, नल फिटिंग, पानी टंकी, फर्श, शौच एक पेशाब घर की सीट, लाइट फिटिंग, अंदर का रंग-रोगन, ड्रेनेज लाइन जैसे काम अब भी नही हुए है। विकास खंड में एक के बाद एक भ्रष्टाचार के खुलासे होते जा रहे है लेकिन जनपत के अधिकारी सहित जिला कलेक्टर और जिला सीइओ मौनधारण किए हुए है जिससे भ्रष्टाचार में उनकी मौन स्वीकृति माना जा सकता है।

संपादकीय

कर्जदारों व बैंक के हितों का ध्यान

कोरोना संकटकाल के दौरान कर्जदारों की किस्तों की वापसी के स्थगन और ब्याज पर ब्याज के मामले में शीर्ष अदालत का फैसला जहां सरकार व बैंकों के लिये राहतकारी है, वहीं कर्जदाताओं को भी कुछ सुकून जरूरत देता है। दरअसल, कोरोना संकट में लॉकडाउन के बाद उपजी विषम परिस्थितियों से जूझते कर्जदारों को सरकार ने इतनी राहत दी थी कि, वे आर्थिक संकट के चलते अपनी किस्तों के भुगतान को तीन महीने के लिए टाल सकते हैं, लेकिन बाद में उन्हें इसका ब्याज भी देना होगा। कालांतर कोरोना संकट की बढ़ती चुनौती के बाद यह?अवधि अगस्त, 2020 तक बढ़ा दी गई। लेकिन कर्जदाता खस्ता आर्थिक स्थिति और रोजगार संकट की दुहाई देकर यह अवधि बढ़ाने की मांग करते रहे। वहीं बैंकों ने निर्धारित अवधि के बाद न केवल कर्ज और ब्याज की वसूली शुरू की बल्कि वे कर्जदारों से चक्रवृद्धि ब्याज ?भी वसूलने लगे, जिससे उपभोक्ताओं में आक्रोश पैदा हो गया है।?मामला शीर्ष अदालत में भी पहुंचा। हालांकि, शीर्ष अदालत पहले भी कह चुकी थी कि, ब्याज पर ब्याज नहीं वसूला जा सकता। लेकिन अदालत का अंतिम फैसला नहीं आया था। सभी पक्ष अपने-अपने लिए राहत की उम्मीद लगाये बैठे थे। सरकार की कोशिश थी कि, कर्ज व ब्याज की वापसी सुचारु रूप से शुरू हो। बैंक?भी यही उम्मीद लगा रहे थे। वहीं कर्जदार कोरोना संकट की दूसरी लहर के बीच चाह रहे थे कि, किस्त वापसी हेतु स्थगन की अवधि बढ़े। निस्संदेह,?आर्थिकी का चक्र सरकार, बैंक व कर्जदारों की सामूहिक भूमिका से पूरा होता है। कर्जदार अपना कर्ज-ब्याज लौटाते हैं तो बैंकों में आया पैसा नए ऋण देने और जमाकर्ताओं के ब्याज चुकाने के काम आता है। यह आर्थिक चक्र सुचारु रूप से चलता रहे इसके लिए जरूरी है कि, समय पर उस कर्ज की वापसी हो, जिसमें कोरोना संकट के दौरान व्यवधान आ गया था। नि:संदेह इसे अब लंबे समय तक टाला जाना संभव भी नहीं था।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला बैंकिंग व्यवस्था को सुचारु बनाने की तरफबढ़ा कदम ही है। जिसके बाद कर्जदारों की किस्तें नियमित होंगी और वे निर्धारित ब्याज चुकाएंगे। वहीं दूसरी ओर बैंकों को पूंजी संकट से उबरने में मदद मिलेगी। लेकिन वे कर्जदारों से चक्रवृद्धि ब्याज नहीं वसूल पाएंगे। सही भी है लॉकडाउन के दौरान देश की अर्थव्यवस्था मुश्किल संकटों से गुजरी है। करोड़ों लोगों के रोजगारों का संकुचन हुआ, लाखों लोगों की नौकरी गई, काम-धंधे बंद हुए, तमाम छोटे-बड़े उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुए। अर्थव्यवस्था का चक्र तभी पूरा हो पाता है जब कहीं कड़ी न टूटी हो। जाहिरा तौर पर लघु-मझौले उद्योग से लेकर छोटे कारोबारी बैंकों से ऋण लेकर अपने कारोबार को चलाते हैं। जब बाजार बंद हुए तो उनका काम-धंधा चौपट हुआ, जब कारोबार ही नहीं हुआ तो आय कहां से होती, आय नहीं थी तो कर्ज कहां से चुकाते। निश्चय ही उस दौरान कर्ज वापसी का स्थगन बड़ी आबादी के लिये राहत बनकर आया। साल की शुरुआत में अर्थव्यवस्था के पटरी के तरफलौटने से उम्मीदें जगी थी कि, अब स्थितियां सामान्य हो जायेंगी, लेकिन कोरोना की दूसरी लहर की दस्तक ने चुनौतियां बढ़ा दी। लगता है हमें कुछ और समय कोरोना की चुनौती से जूझना होगा, इसे न्यू नॉर्मल मानकर आगे बढ़ना है। अर्थव्यवस्था ने गति न पकड़ी तो कोरोना से ज्यादा आर्थिक संकट और गरीबी मार देगी। हमारे यहां रोज कमाकर रोज खाने वालों का बड़ा वर्ग है। ऐसे में अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति की ओर ले जाने के लिये आर्थिक की रक्तवाहनियों में पूंजी प्रवाह जरूरी है। इस आलोक में शीर्ष अदालत का फैसला राहतकारी ही कहा जायेगा, जिससे बैंकों को तो संकट से उबरने में मदद मिलेगी ही, साथ ही बैंक अपनी मनमानी करते हुए ब्याज पर ब्याज नहीं वसूल पाएंगे। माना देश के सामने अब कोरोना संकट की दूसरी लहर की चुनौती है, लेकिन नहीं लगता कि सरकारें लॉकडाउन जैसे सख्त कदमों का सहारा लेंगी, अब वक्त आ गया है कि, जान के साथ जहान को भी हमें प्राथमिकता देनी है।

तो क्या सरकार निठल्ले और दलाल किसानों से वार्ता करती रही है?

निर्मल रानी, लेखिका

विश्व इतिहास का सबसे बड़ा व सबसे लंबा चलने वाले किसान आंदोलन का दिनों दिन विस्तार होता जा रहा है। सत्ता,सत्ता समर्थक नेताओं व सत्ता के भोंपू बन चुके मीडिया तथा पूंजीवादी विचारधारा के पोषकों द्वारा जिस किसान आंदोलन पर शुरू से ही तरह तरह के आक्षेप लगाकर उसे बदनाम करने तथा उसकी अनदेखी करने की कोशिश की जा रही थी वही आंदोलन अब पंजाब,हरियाणा,उत्तर प्रदेश राजस्थान से आगे निकल कर बिहार बंगाल से लेकर महाराष्ट्र ,कर्नाटक जैसे कई दक्षिण भारतीय राज्यों तक पहुँच चुका है। सरकार,उसके सलाहकारों व भाजपाई नेताओं को यह भली भांति समझ लेना चाहिए कि जिस किसान आंदोलन में कई किसान सरकार के कृषि क़ानूनों का विरोध करते हुए आत्म हत्या कर चुके,जिस आंदोलन में अब तक 260 से अधिक किसान धरना देते हुए वीरगति को प्राप्त हो चुके जहां सभी आंदोलनकारी ''पहले सरकार द्वारा कृषि क़ानून की वापसी, फिर किसानों की घर वापसी'' जैसे अपने संकल्प पर एक स्वर से अडिग नज़र आ रहे हों वह आंदोलन बिना अपनी जायज़ मांगों को पूरा कराए हुए समाप्त होने की संभावना नहीं है। किसानों के इसी आंदोलन का असर है कि भले ही सरकार विश्व व्यापर संग्ठन और पूंजीपतियों के भारी दबाव के चलती कृषि क़ानून वापस न ले पा रही हो परन्तु इसी आंदोलन के सन्दर्भ में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह तक तथा अनेक केंद्रीय मंत्रियों व भाजपाई मुख्यमंत्रियों द्वारा बार बार यह प्रचारित किया जा रहा है कि, सरकार किसानों की शुभचिंतक है,और यह भी कि सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लिये दिन रात काम कर रही है। रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह का पिछले दिनों किसानों के आंदोलन के सन्दर्भ में बीबीसी को दिया गया एक साक्षात्कार यदि आप सुनें तो ऐसा लगेगा कि, भाजपा से अधिक किसान हितैषी सरकार तो कोई हो ही नहीं सकती। 'अन्नदाताओं' की प्रशंसा के पुल बांधे जा रहे हैं। उनके प्रति अथाह सहानुभूति जताई जा रही है। मगर कृषि क़ानून की वापसी की किसानों की मांगों का कोई ज़िक्र नहीं। किसानों के प्रति चिंता जताने वाले नेताओं की ओर से दिल्ली के धरना स्थलों पर मिलने अब तक कोई सरकारी प्रतिनिधि नहीं गया। आंदोलन के दौरान मरने व आत्महत्या करने वाले किसानों के प्रति संसद में श्रद्धांजलि देना तो दूर, सरकार की ओर से दो शब्द भी नहीं बोले गए। परन्तु किसानों का अपमान करने में सरकार की ओर से कोई कसर बाक़ी नहीं छोड़ी गयी। यहां तक कि किसानों को अपमानित करने का सिलसिला अब भी बदस्तूर जारी है।

अभी पिछले दिनों एक बार फिर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खतौली के विधायक विक्रम सैनी ने आंदोलनकारी किसानों को दलाल व निठल्ला बता डाला। ग़ौर तलब है कि खतौली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश का वह क्षेत्र है जहाँ भारतीय किसान यूनियन का सबसे अधिक प्रभाव है। इसी क्षेत्र से लगते हुए शामली इलाक़े में किसानों ने केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान का विरोध करते हुए उन्हें वापस भेज दिया था। अब विधायक के किसान को अपमानित करने वाले बयान के बाद किसानों में भारी रोष व्याप्त है। किसान नेता विधायक को आईना दिखाने वाले कई बयान दे रहे हैं। इसके पहले भी सत्ता के अनेक ज़िम्मेदार लोगों द्वारा इस आंदोलन व इसमें शामिल किसान नेताओं को बदनाम करने व उन्हें डराने धमकाने के तमाम प्रयास किये गये। यहां तक कि आंदोलन के दौरान मरने वाले किसानों तक के प्रति अमर्यादित व अपमानजनक बातें कही गयीं। ख़ालिस्तानी,पाकिस्तानी,नक्सल,अर्बन नक्सल,शाहीन बाग़ ग्रुप,कांग्रेस व कम्युनिस्ट समर्थित, राजनैतिक, विदेशी फ़ंडिंग से चलने वाला और न जाने क्या क्या कहा गया। यहाँ तक कि, एक विधायक स्वयं अपने समर्थक सैकड़ों गुंडों को लेकर आंदोलन पर बैठे किसानों पर चढ़ाई कर बैठा और हिंसा का तांडव करने लगा। इसके विपरीत इन सभी हथकंडों का सामना करने के बावजूद कुल मिलाकर आंदोलनकारी किसान गाँधी जी के सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए आंदोलन में शांति व सहनशीलता का पालन कर रहे हैं।

परन्तु किसानों की मांगों व कृषि क़ानूनों की बारीकियों से इतर यह सवाल बार बार ज़ेहन में पैदा होता है कि, जब सत्ता पक्ष के ज़िम्मेदार लोग किसान आंदोलन पर तरह तरह के टैग लगाकर उसकी उपेक्षा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस आंदोलन को देश के किसानों का आंदोलन स्वीकार करने को ही तैयार नहीं हैं फिर आख़िर यही सरकार उन्हीं आंदोलनकारी किसानों के साथ आख़िर बार बार वार्ता क्यों करती रही? और सरकार व किसान प्रतिनिधियों की दस दौर तक की केवल वार्ता ही नहीं हुई बल्कि इन वार्ताओं के दौरान केंद्र सरकार के प्रतिनिधि कृषि क़ानून में अनेक संशोधन करने व किसानों की वर्तमान कृषि क़ानून वापस लेने संबंधी मांगों के अतिरिक्त उन्हें ख़ुश करने वाली लंबे समय से की जा रही कई मांगों को भी मानने के लिए राज़ी हो गई।

ऐसा नहीं लगता कि, किसानों को निठल्ला, दलाल कहने और उन्हें अपमानित करने वाले बयान देने के लिए सरकार या पार्टी की ओर से कहा जाता हो। भारतीय राजनीति में विवादित बोलों के द्वारा सुर्ख़ियां बटोरने का एक चलन सा बन चुका है। इसी ओछी शोहरत हासिल करने का शिकार कोई भी मंत्री, सांसद, विधायक या अन्य कोई भी नेता हो सकता है। परन्तु विरोधाभासी बात तो यह है कि, जब प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री जैसे बड़े ज़िम्मेदार किसानों के प्रति पूरी गंभीरता के साथ हमदर्दी का इज़हार कर रहे हों, जब इन्हीं आंदोलनकारी किसानों के प्रतिनिधियों के साथ बार बार सरकार मेज़ पर बैठ रही हो और उनकी मांगोंके प्रति गंभीर हो फिर आख़िर किसी विधायक को इन्हीं किसानों को दलाल व निठल्ला कहने का क्या अर्थ है? यदि उसने या उस जैसे अन्य कई मानसिक रोग से पीड़ित प्रतीत हो रहे नेताओं ने किसानों को बार बार अपमानित किये जाने वाले बयान दिए हों तो भाजपा है कमान ऐसे बड़बोले नेताओं के विरुद्ध कार्रवाई क्यों नहीं करती? और यदि कार्रवाई नहीं करती फिर तो इसका सीधा सा अर्थ है कि सत्ता व पार्टी का ऐसे तत्वों को मूक समर्थन हासिल है। ज़ाहिर है फिर तो यह भी ज़रूर पूछा जायेगा कि यदि आंदोलनकारी किसान निठल्ला और दलाल है तो क्या सरकार अब तक निठल्ले और दलाल किसानों से ही वार्ता करती रही है?

जातीय आरक्षण के दिन लद गए

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

हमारा सर्वोच्च न्यायालय अब नेताओं से भी आगे निकलता दिखाई दे रहा है। उसने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि, वे बताएं कि सरकारी नौकरियों में जो आरक्षण अभी 50 प्रतिशत है, उसे बढ़ाया जाए या नहीं? कौन राज्य है, जो यह कहेगा कि उसे न बढ़ाया जाए? सभी नेता और पार्टियाँ वोट और नोट की गुलाम होती हैं। लगभग आधा दर्जन राज्यों ने 1992 में अदालत द्वारा बांधी गई आरक्षण की सीमा (50 प्रतिशत) का उल्लंघन कर दिया है। महाराष्ट्र में तो सरकारी नौकरियों में 72 प्रतिशत आरक्षण हो गया है।

सर्वोच्च न्यायालय से उम्मीद थी कि वह इस बेलगाम जातीय आरक्षण पर कठोर अंकुश लगाएगा बल्कि जातीय आरक्षण को असंवैधानिक घोषित करेगा। जातीय आधार पर आरक्षण शुरू में सिर्फ10 साल के लिए दिया गया था लेकिन वह हर दस साल के बाद द्रौपदी के चीर की तरह बढ़ता ही चला जा रहा है। उसका नतीजा क्या हुआ है? क्या इस आरक्षण के कारण देश के लगभग 100 करोड़ गरीब, पिछड़े, ग्रामीण, दलित-वंचित लोगों को न्याय और समान अवसर मिल रहे हैं? कतई नहीं। इन 100 करोड़ों लोगों में से सिर्फ कुछ हजार लोग ऐसे हैं, जिन्होंने सरकारी नौकरियों पर पीढ़ी दर पीढ़ी कब्जा जमा रखा है। उसका आधार उनकी योग्यता नहीं, उनकी जाति है। ये कुछ हजार दलित, आदिवासी और पिछड़े लोग नौकरियों के योग्य हों न हों लेकिन अपनी जाति के कारण वे नौकरियां हथिया लेते हैं। इसके कारण देश के प्रशासन में प्रमाद और भ्रष्टाचार तो बढ़ता ही है, जातिवाद-जैसी कुत्सित प्रथा भी प्रबल होती रहती है।

इस प्रवृत्ति ने एक नए शोषक-वर्ग को जन्म दे दिया है। इसका नाम हैं- 'क्रीमी लेयर' याने मलाईदार वर्ग। इस वर्ग में अयोग्यता के साथ-साथ अहंकार भी पनपता है। इन लोगों ने अपना नया सवर्ण वर्ग बना लिया है। यह सवर्णों से भी आगे 'अति सवर्ण वर्ग' है। देश के 100 करोड़ वंचितों को ऊपर उठाने की चिंता इन लोगों को उतनी ही है, जितनी परंपरागत सवर्ण वर्ग को है।

यदि हम भारत को सबल और संपन्न बनाना चाहते हैं तो इन 100 करोड़ लोगों को आगे बढ़ाने की चिंता हमें सबसे पहले करनी चाहिए। उसके लिए जरूरी है कि, आरक्षण जाति के नहीं, जरूरत के आधार पर दिया जाए और नौकरियों में नहीं, शिक्षा और चिकित्सा में दिया जाए। जो भी दलित, वंचित, अक्षम, गरीब हो, उसके बच्चों को मुफ्त शिक्षा और मुफ्त भोजन दिया जाए और उसकी मुफ्त चिकित्सा हो। उसकी जाति न पूछी जाए। ऐसे जरूरतमंदों को वे किसी भी जाति के हों, यदि उन्हें शिक्षा और चिकित्सा में 80 प्रतिशत आरक्षण भी दिया जाए तो इसमें कोई बुराई नहीं है। ये बच्चे अपनी योग्यता और परिश्रम से भारत को महाशक्ति बना देंगे।

एक सलाह

अगर कोई आपको नीचा दिखाना चाहताहै तो इसका मतलब है आप उससे काफी उपर है।

काम की बात

किसी की आदत लगने में वक्त नहीं लगता, मगर आदत को खत्म करने में जिंदगी गुजर जाती है।

समाज को मिलकर कोशिश करनी होगी कि फिर न हो रितिका जैसे आत्महत्या केस

लेखक -अशोक भाटिया

रितिका ने 15 मार्च को हरियाणा के चरखी दादरी में आत्महत्या कर ली, जहां वो अंतरराष्ट्रीय रेसलर गीता फोगाट और बबीता फोगाट के पिता और कुश्ती के मशहूर कोच महावीर फोगाट की अकेडमी में पिछले पांच साल से ट्रेनिंग ले रही थी। वो गीता और बबीता के मामा की बेटी थी और महावीर फोगाट रिश्ते में उसके फूफा लगते थे। आपको याद होगा इस परिवार पर दंगल नाम से एक फिल्म भी बन चुकी है, जो सुपरहिट हुई थी। लेकिन जिस अकेडमी में कुश्ती सीखने के लिए वो राजस्थान के झूंझुनू से लगभग 100 किलोमीटर दूर हरियाणा के चरखी दादरी आई, वहीं उसने आत्महत्या कर ली और इस आत्महत्या की वजह बना कुश्ती का वो एक पॉइंट, जिसने रितिका को हमेशा के लिए उसके परिवार से दूर कर दिया। उल्लेखनीय हैं कि, खरा सोना तपके ही बनता है लेकिन आज कल की जो नई पीढ़ी है वो असफलता की तपिश में तपना नहीं चाहती है। रितिका ने इसी महीने की 14 तारीख को राजस्थान के भरतपुर में खेली गई एक राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 53 किलोग्राम भार वर्ग में उसका फाइनल मुकाबला भीलवाड़ा की एक खिलाड़ी से था, जिसका नाम मायामाली है। दोनों के बीच 6 मिनट में तीन राउंड खेले गए और ऐसा दावा है कि एक-एक राउंड बराबर होने के बाद तीसरे राउंड में रितिका एक पॉइंट से प्रतियोगिता हार गई।

यह सवाल इधर कुछ वर्षों में बढ़ गया है पर बिना किसी उत्तर के घूम रहा है। रितिका फोगाट के बारे में कहा जा रहा है कि, वह अपना कुश्ती का फाइनल मुकाबला हार जाने से दुखी थीं इसी वजह से उन्होंने ऐसा कदम उठाया। लेकिन इस थियरी के चलते हम सुसाइड की गंभीरता को कम कर देते हैं। हम या हमारा समाज मान लेता है कि सुसाइड के पीछे परीक्षा में असफलता, प्रेम में दिल टूटना या बिजनेस में घाटा जैसा कोई तात्कालिक कारण ही है। इस तरह हम मूल समस्या को किसी दूसरी समस्या पर आधारित बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं. किसी भी आत्महत्या के केस को कमजोर करने के लिए इतना काफी होता है। हमारे देश की जांच एजेंसियां भी इस तरह का कोई कारण निकालकर मामले को खत्म कर देती हैं। हमारे समाज को आत्महत्या के इन कारणों से इतर विचार करना होगा नहीं तो ऐसे मामले बढ़ते ही जाएंगे।

किसी की आत्महत्या के पीछे कई वजहें हो सकती हैं, खास तौर से वह अगर खिलाड़ी है तब तो और भी ज्यादा, दरअसल एक खिलाड़ी के लिए उसका खेल सब कुछ होता है और जब वह किसी ऐसे मैच को हार जाता है जिससे उसका जीवन बदल सकता था तो वह निराश हो जाता है। खास तौर से रितिका जैसे खिलाड़ी जिसके घर में बबीता और गीता जैसी रेसलर बहने हों जिन्होंने दुनिया में भारत का नाम रोशन किया हो। जब इस घर में रितिका हार के आई होंगी तो उन्हें लगा होगा कि, वह अपने फोगाट परिवार का नाम ऊंचा नहीं कर पाई. हालांकि, उनका ऐसा सोचना बिल्कुल गलत था। क्योंकि हार हमेशा हमें आने वाली जीत के लिए शिक्षा देती है। गीता और बबीता ने भी कई मुकाबले हारें लेकिन वह डटी रहीं और अपने हार से सीखती रहीं इसी लिए वह विश्व चैंपियन बन सकीं। रितिका भी अगर कोशिश करती तो जरूर एक दिन कामयाब होती। हालांकि पुलिस अभी इस मामले में छानबीन कर रही है कि रितिका के आत्महत्या कि मुख्य वजह क्या थी।

अगर किसी भी प्रकार की असफलता ही सुसाइड करने का कारण होता तो समाज में आत्महत्या करने वालों की संख्या शायद अधिक होती। देखने में आ रहा है कि, कई बार से लगातार चुने जा रहे सांसद, आईएएस, आईपीएस और सिने जगत के सफल सितारे जैसे सफल लोगों में सुसाइड की दर ज्यादा है। रितिका फोगाट के आत्महत्या मामले ने एक बार फिर से इस सवाल को जिंदा कर दिया है कि क्या सफलता ही जीवन का पैमाना है? और अगर सफलता ही जीवन का पैमाना है तो तमाम सफल लोग क्यों सुसाइड कर रहे हैं? अगर सफलता ही सब कुछ है तो फिर सुसाइड करने वालों की संख्या अधिक होनी चाहिए, क्योंकि हर समाज में असफल लोगों की संख्या सफल लोगों से हजारों गुना अधिक होती है। लेकिन सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या, हाल ही के दिनों में 2 सांसदों की आत्महत्या और पिछले एक साल मे कई आईएएस और आईपीएस की आत्महत्या इस पैमाने को गलत साबित करती है। सुशांत सिंह राजपूत ने अपने छोटे से कैरियर में कई ब्लॉक बस्टर मूवी दिया और उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग भी थी। लगातार सफल लोगों की आत्महत्या हमारे समाज के सामने चैलेंज की तरह है। आत्महत्या के पीछे कारण चाहे जो भी हों, लेकिन इसकी बढ़ती प्रवृत्ति से बहुमूल्य मानव संसाधन का राष्ट्रीय स्तर पर नुकसान हो रहा है, जो चिंता का विषय है। भारत युवाओं का देश है। यदि यही प्रवृत्ति बरकरार रही, तो भविष्य में इसका खामियाजा देश को भुगतना पड़ सकता है। आत्मजागरूकता, समझदारी और सतर्कता इसका रामबाण इलाज है। लोगों को, मानव जीवन के औचित्य को समझते हुए इसकी सार्थकता सिद्ध करने पर जोर देना चाहिए।

आत्महत्या को लेकर राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े कहते हैं कि, भारत में हर दिन तकरीबन 381 लोग आत्महत्या करते हैं। जबकि देश में 2019 में कुल 1,39,123 लोगों ने आत्महत्या कर अपने जीवन को खत्म कर लिया। इतने लोगों के द्वारा हर रोज आत्महत्या करना बताता है कि, यह समाज के लिए कितनी बड़ी समस्या है और इससे जल्द पार पाने की जरूरत है। भारत में इसे इतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता इसलिए यह इतनी तेजी से भारत में पांव पसार रहा है। साथ ही सवाल यह भी उठता है कि, आखिर क्या कारण है कि आत्महत्या, जिसे नैतिक और कानूनी दोनों ही दृष्टिकोण से एक अपराध की संज्ञा दी जाती है, व्यक्ति को सभी दुखों का अंत लगती है? हो सकता है कुछ लोगों को यह बात सही ना लगे लेकिन सच यही है कि अगर व्यक्ति आत्महत्या करने की कोशिश करता है तो इसके पीछे उसका परिवार और आसपास का वातावरण पूर्ण उत्तरदायी होते हैं। अभिभावकों का अपने बच्चे से अत्याधिक अपेक्षाएं रखना, उनका तुलनात्मक स्वभाव और नंबर कम आने पर ढेर सारी डांट या मार बच्चे को मानसिक रूप से बहुत परेशान करती है। हो सकता है अभिभावक इसे अपनी जिम्मेदारियों का एक हिस्सा समझते हों लेकिन बच्चे के मस्तिष्क पर इसका नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। वहीं दूसरी ओर अगर बच्चा अपने प्रेमी की ओर से निराश है तो उसे संभालने की पूरी जिम्मेदारी भी अभिभावकों, समाज और उसके दोस्तों की ही होती है। ऐसे समय में उनका यह दायित्व बन जाता है कि व्यक्ति को उसकी असफलता का अहसास ही ना होने दिया जाए।

महिलाओं को मौका

सिद्धार्थ शंकर

भारतीय सेना और नौसेना में महिला अफसरों को स्थाई कमीशन देने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि, सेना एक महीने के अंदर महिला अधिकारियों के लिए स्थाई कमीशन देने पर विचार करे और उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए इन्हें स्थाई कमीशन दे। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने परमानेंट कमीशन के लिए महिला अफसरों के लिए बनाए गए मेडिकल फिटनेस मापदंडों को मनमाना और तर्कहीन बताया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, हमारे समाज का ताना-बाना पुरुषों द्वारा पुरुषों के लिए ही बनाया गया है। अगर समय रहते इसे बदला नहीं गयाए तो महिलाओं को पुरुषों के बराबर मौके नहीं मिल पाएंगे। 17 साल की कानूनी लड़ाई के बाद पिछले साल फरवरी में थलसेना में महिलाओं को बराबरी का हक मिलने का रास्ता साफहुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि, उन सभी महिला अफसरों को तीन महीने के अंदर आर्मी में स्थाई कमीशन दिया जाए जो इस विकल्प को चुनना चाहती हैं।

स्थाई कमीशन पर बात करें तो सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले आर्मी में 14 साल तक शॉर्ट सर्विस कमीशन में सेवा दे चुके पुरुषों को ही स्थाई कमीशन का विकल्प मिल रहा था। लेकिन महिलाओं को यह हक नहीं था। दूसरी ओर वायुसेना और नौसेना में महिला अफसरों को स्थाई कमीशन पहले से मिल रहा है। शॉर्ट सर्विस कमीशन में महिलाएं 14 साल तक सर्विस के बाद रिटायर हो जाती हैं। अब वे स्थाई कमीशन के लिए अप्लाई कर सकेंगी। सेलेक्ट होने वाली महिला अफसर आगे भी सर्विस जारी रख सकेंगी और रैंक के हिसाब से रिटायर होंगी। आर्मी में महिलाओं को अब बराबरी का हक मिलेगा। महिलाओं को सेना की सभी 10 स्ट्रीम. आर्मी एयर डिफेंसए सिग्नलए इंजीनियरए आर्मी एविएशनए इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरए आर्मी सर्विस कॉर्पए इंटेलीजेंसए जजए एडवोकेट जनरल और एजुकेशनल कॉर्प में परमानेंट कमीशन मिल पाएगा। सेना में महिलाओं की भर्ती को लेकर जिस तरह के अवरोध थेए वे भी महज सामाजिक पूर्वाग्रहों पर आधारित थे और उसे हटाना एक सभ्य और लोकतांत्रिक समाज की जिम्मेदारी थी। लेकिन जब उन अवरोधों पर विचार करके उन्हें खत्म किया गयाए तो लैंगिक स्तर पर भेदभाव वाली परंपरा को कायम रखने का कोई मतलब नहीं था। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने अगर ऐसे आग्रहों को मानने से इनकार किया और बराबरी के हक में फैसला दिया तो इसे व्यवस्था में बदलाव को जगह देने की प्रक्रिया कहा जा सकता है। विडंबना यह है कि, एक लोकतांत्रिक और विकासमान समाज में जहां सरकारों और समूचे सत्ता-संस्थानों को अपनी ओर से सामाजिक गैर बराबरी के पैमानों को खत्म करके समानता आधारित समाज की जमीन मजबूत करने की पहलकदमी करनी चाहिएए वहीं कई बार इसके खिलाफ दलीलें पेश करके जड़ता और यथास्थिति बनाए रखने की कोशिश की जाती है। पहले सेना में और फिर नौसेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने के मसले पर सरकार ने जैसा संकीर्ण रुख अपनायाए वह अफसोसजनक है। यों भी महिलाओं ने मौका मिलने पर अमूमन हर मोर्चे पर अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमताओं के साथ यह साबित किया है कि, वे किसी भी मामले में कमतर नहीं हैं, बल्कि बेहतर ही हैं। ऐसे में खुद सरकार की ओर से महिलाओं को महज स्थायी कमीशन से वंचित रखने के लिए उनकी शारीरिक सीमाओं का हवाला देना विचित्र दलील थी। इसलिए स्वाभाविक ही शीर्ष अदालत ने केंद्र की दलील को सीधे तौर पर लैंगिक रूढ़ियों का मामला बताते हुए कहा था कि सामाजिक और मानसिक कारण बता कर महिला अधिकारियों को अवसर से वंचित रखना बेहद भेदभावपूर्ण रवैया है और यह बर्दाश्त के काबिल नहीं है।

प्रदेश को टाईगर स्टेट का दर्जा दिलाने में कॉलर कली का अहम योगदान

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, आत्म निर्भर मध्यप्रदेश का रोड मैप-2023 तैयार

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल आगवान

मध्यप्रदेश वन एवं वन्य-प्राणियों की विविधता के लिए जाना जाता है। भारत के किसी भी प्रदेश की तुलना में मध्यप्रदेश में सर्वाधिक बाघ हैं। प्रदेश में बाघ की कुल संख्या 526 पहुंचने से इसे ÷टाईगर स्टेट÷ का दर्जा प्राप्त है।

अगले साल फिर से बाघों और तेन्दुओं की गणना होगी, प्रदेश के जंगलों से बाघों की बढ़ोत्तरी के अच्छे संकेत मिलने लगे हैं। बाघों की संख्या में निरंतर बढ़ोत्तरी से यह भरोसा हो चला है कि, मध्यप्रदेश देश में टाईगर स्टेट के रूप में अपना रूतबा कायम रखेगा। बाघों के लिए प्रदेश के जंगल मुफीद माने जाते हैं, संरक्षित क्षेत्र नेशनल पार्क टाईगर रिजर्व में सुरक्षा के पूरे इंतजाम की वजह से भी बाघ तेजी से बढ़ रहे हैं। टाईगर स्टेट का दर्जा दिलाने में अति विशिष्ट योगदान देने वाली पेंच टाईगर रिजर्व की बाघिन ÷कॉलर कली÷ के नाम विश्व में सर्वाधिक संख्या में प्रसव और शावकों के जन्म का अनूठा कीर्तिमान है।

मध्यप्रदेश में 3 हजार 431 तेन्दुए होने का आंकलन है, जो किसी भी राज्य से अधिक होने के साथ ही भारत में उपलब्ध तेन्दुओं की संख्या का 25 फीसदी है। प्रदेश में तेन्दुए की आबादी में 80 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई, जबकि देश में 60 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई है।

प्रत्येक चार साल में भारत सरकार के वन्य एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर बाघ और तेन्दुओं की गणना कराई जाती है। वहीं वाइल्ड लाइफइंस्टीट्यूट, देहरादून द्वारा मॉनीटरिंग की जाती है। इस आधार पर बाघ और तेन्दुओं की संख्या तय की जाती है।

गिद्ध और घडियालों की संख्या में भी अव्वल

इस वर्ष किए गए आंकलन के मुताबिक प्रदेश में तकरीबन 9 हजार 446 गिद्ध पाए गए हैं, पिछले दो साल में गिद्ध की संख्या में एक हजार 49 का इजाफा हुआ है, गिद्धों की संख्या के मामले में प्रदेश पहले स्थान पर काबिज है। इसी तरह घड़ियालों की गणना का कार्य भी चल रहा है, प्रदेश के घड़ियाल अभयारण्यों और अन्य जल-क्षेत्रों में 1 हजार 8 सौ घड़ियाल चिन्हित किए जा चुके हैं। घड़ियालो की संख्या के मामले में भी मध्यप्रदेश के पहले स्थान पर आने की प्रबल संभावना है।

संरक्षित क्षेत्रों में अफ्रीकी चीतों की होगी पुनर्स्थापना

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अफ्रीकी चीते को देश में उपयुक्त संरक्षित क्षेत्र में स्थापित करने की अनुमति दी गई है। भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून ने प्रदेश के कूनो और गांधी सागर अभयारण्य को चीते के रहवास के लिए के लिए मुफीद माना है।

बफर में सफर योजना शुरू

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 24 नवम्बर 2020 को बाँधवगढ़ में पर्यटन की केबिनेट में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने के निर्णय पर मुहर लगाई थी। ठीक एक माह में दिसम्बर की 25 तारीख को बाँधव राष्ट्रीय उद्यान में ÷हाट एअर बैलून सफारी÷ का शुभारंभ हो गया। यहां पर्यटक जमीन से एक हजार फीट ऊपर से जंगल की खूबसूरती एवं बाघ, तेंदुआ आदि वन्य-प्राणियों को विचरण करते निहारेंगे।

निशा सफारी

प्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों में पारंपरिक रूप से प्रातःकालीन और अपरान्ह में वाहन से सफारी की जाती थी, जैसा कि 'निशा सफारी' नाम से ही स्पष्ट है। पर्यटक बफर क्षेत्र में सूर्यास्त के 4 घंटे बाद तक वनों और वन्य-प्राणियों की रात्रि कालीन गतिविधियों को देख सकेंगे। इस व्यवस्था के होने से गाईड और ड्राईवरों के रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में 'नाइट सफारी' भी एक महीने के अन्दर शुरू हो गई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वन विहार में भ्रमण के दौरान नाइट सफारी शुरू करने के निर्देश दिए थे।

अन्य राष्ट्रीय उद्यानों के बफर क्षेत्र में भी नाइट सफारी, तारामण्डल अवलोकन, रात्रि में भ्रमण से वन्य-प्राणियों का अवलोकन, दिन में वाहन सफारी, कैंपिंग, पैदल ट्रेकिंग, साइकिलिंग आदि गतिविधियां प्रारंभ की गई हैं। कान्हा, पेंच एवं सतपुड़ा टाईगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में भी टाईगर सफारी योजना को मूर्तरूप देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ईको पर्यटन विकास

ईको पर्यटन विकास के माध्यम से वनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। ईको पर्यटन गंतव्य स्थलों के विकास के लिए 131 स्थल अधिसूचित किए जा चुके हैं। इनमें से कुछ क्षेत्रों का संचालन और प्रबंधन के लिए निजी क्षेत्रों को दिए जाने की प्रक्रिया प्रगति पर है, इसमें स्थानीय युवाओं को न्यूनतम 70 प्रतिशत रोजगार दिलाया जाना अनिवार्य किया गया है। स्थानीय नागरिकों को गाइड, नाविक, खानसामा और कैम्प प्रबंधन आदि के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इस वित्तीय वर्ष में टाईगर रिजर्व के कोर एवं बफर क्षेत्र के 650 गाइड को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

वन अपराधिक प्रकरणों पर प्रभावी कार्रवाई

वन विभाग द्वारा पिछले साल 52 हजार 640 वन अपराध प्रकरण दर्ज किए गए। अवैध उत्खनन के 379 क्षेत्र में 1 हजार 93 प्रकरण, अवैध परिवहन के 1 हजार 465 प्रकरण में 1 हजार 285 वाहन जप्त किए गए। अतिक्रमण के 2 हजार 87, अवैध चराई के 686 और अवैध कटाई के करीब 45 हजार प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की गई हैं। वन अपराध प्रशमन और अन्य विविध प्रकरणों में पिछले वर्ष विभाग को 89 करोड़ से ज्यादा की राशि प्राप्ति हुई।

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप-2023

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश को आधार बनाकर वन विभाग ने महत्वाकांक्षी पहल की है, इसके लिए तीन आउटकम निर्धारित किए गए हैं। इनमें वन आधारित आर्थिक गतिविधियों के योगदान में वृद्धि, वन संपदा का संवहनीय उपयोग और खनिज संपदाओं का वैज्ञानिक दोहन कर रोजगार प्रदान करना, शामिल हैं। इन आउटकम में 17 गतिविधियों का समावेश किया गया है, जिसमें 65 उप गतिविधियॉ शामिल हैं, इनमें से 37 गतिविधियाँ निर्धारित समयावधि में प्रारंभ की जा चुकी है।

आत्म-निर्भर रोडमैप-2023 के अधीन इन चिन्हित गतिविधियों में बफर में सफर मुहिम के माध्यम से मानसून पर्यटन को बढ़ावा देना, टाईगर सफारी विकसित करना, लकड़ी और बाँस के प्र-संस्करण एवं मूल्य संवर्धन के लिए 2 विशेष आर्थिक क्षेत्रों का विकास, 20 बॉस कलस्टरों का व्यवस्थित विकास, प्रदेश की वनोपज की मध्यप्रदेश उत्पाद के रूप में की गई रैंकिंग, वनोपज के बेहतर मूल्य के लिए वनोपज मूल्य संवर्धन विकास, वन आधारित उद्यमों को प्रोत्साहन, उपयुक्त हैबिटेट में चीतों का लाना, बाघों का घनत्व बढ़ाना, वन स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए बाघों की अन्य राष्ट्रीय उद्यानों में पुनर्स्थापना, वनों के बाहर वृक्ष आवरण में वृद्धि के लिए शासकीय और गैर वन भूमि पर वृक्षारोपण की पहल और भू-अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर पारदर्शिता बढ़ाने आदि के कार्य किए जाएंगे। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश में 3 वर्ष की अवधि में 5 हजार ग्राम वन समितियों की सूक्ष्म प्रबंध योजनाएं तैयार की जाएंगी। प्रथम चरण में 317 समितियों की सूक्ष्म प्रबंध योजनाएं बनाई जा चुकी हैं।

ग्रामीणों को रोजगार का एक्शन प्लान

वन विभाग द्वारा वर्ष 2021-22 में 7 लाख 68 हजार ग्रामीणों को रोजगार दिलाने का एक्शन प्लान तैयार किया गया है। इसके अलावा संयुक्त वन प्रबंधन का नवीन संकल्प तैयार किया जा रहा है। इसमें ग्रामीणों की सहभागिता को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

कोरोना संक्रमण की दुसरी लहर में एक ही परिवार के पांच सदस्य पॉजिटिव

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)। कोरोना संक्रमण नगर में भी लगातार फैल रहा है। एक सप्ताह में लगभग 12 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं, अभी एक ही परिवार के पांच सदस्यं पाजिटिव मिले हैं। उज्जैन में पढ़ाई कर रहा 18 वर्षीय छात्र भानपुरा में वार्ड 11 स्थित अपने निवास पर 20 मार्च को पहुंचा था। यहां आने के बाद उसे बुखार आया, उसके बाद 25 वर्षीय बहन को भी बुखार आया, जांच में दोनों कोरोना पाजिटिव मिले। 53 वर्षीय पिता, 50 वर्षीय माता एवं 21 वर्षीय बहन भी पाजिटिव मिली और देखते ही देखते पूरा का पूरा परिवार ही कोरोना संक्रमण से ग्रसित हो गया। परिवार के मुखिया शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है वह शुक्रवार तक विद्यालय में जा रहे थे। इसके चलते तहसीलदार राकेश यादव ने नगर परिषद से पूरे विद्यालय को सेनिटाइज कराया।

कन्या हायर सेकंडरी स्कूल प्राचार्य प्रीति सोनी ने बताया कि, हमने नगर परिषद को भी सूचित किया था कि विद्यालय को सैनिटाइज किया जाए, स्कूल में कुल 543 छात्राएं अध्ययनरत हैं, जिसमें से 50 फीसदी छात्राएं उपस्थित हो रही हैं। तहसीलदार राकेश यादव ने बताया कि, क्षेत्रवासियों से आग्रह है कि वह कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए मास्क लगाएं, पर्याप्त दूरी का पालन करे एवं आवश्यक होने पर ही घर से निकले। बीएमओ डॉ. बीएल सिसोदिया ने बताया कि, पांचों सदस्यों को होम आइसोलेट किया गया है, आवश्यकता होने पर मंदसौर चिकित्सालय भी भेजा जा सकता है। पुलिस प्रशासन की सख्ती के बिना लोगों में कोरोना महामारी के प्रति जागरूकता का अभाव देखा जा रहा है। लगता है कि अब और सख्ती की जरूरत है। लगातार कोरोना संक्रमित सामने आ रहे हैं यह चिंता का और सभी के लिए सावधानी का विषय है।

रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ धराया बाबू

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)। शहर के नगर पालिका कार्यालय में कार्यरत ऑनलाइन बिलि्ंडग परमिशन के लिए आवेदन सबमिट करने वाले एक बाबू को भवन निर्माण की स्वीकृति के एवज में 3 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए भोपाल लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा है। ब्यावरा नपा कार्यालय में पहुंचे करीब 1 दर्जन भर लोकायुक्त टीम के सदस्य द्वारा शिकायतकर्ता भागीरथ जाटव एवं गिरिराज कसेरा जो कि, प्राइवेट इंजीनियर है ने उक्त शिकायत की थी।

शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि, कार्यालय में बाबू संजय जाट ऑनलाइन बिलि्ंडग परमिशन के लिए आवेदन सम्मिट करते हैं, जिन्होंने हमसे 4 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी लेकिन 3 हजार रुपए में कार्य किए जाने का निर्णय हो चुका था। थोड़ी देर बाद रुपए देने का कहा गया था जैसे ही बाबू संजय जाट को रुपए दिए, उन्होंने मुझसे रुपए ठेले में डलवा लिए और तुरंत ही लोकायुक्त सब इस्पेक्टर मनोज पटवा ने नगरपालिका बाबू जाट को धर दबोचा, जिसके बाद टीम ने कार्यालय के कंप्यूटर, लैपटॉप तथा दस्तावेजों को खंगाला। लोकायुक्त टीम के सब इंस्पेक्टर पटवा ने बताया कि, फिलहाल इसी कि गिरफ्तारी नहीं की गई है, अभी हमारी जांच पड़ताल जारी है।

---

25 वर्षों से जर्जर पड़ी सड़क एसपी के प्रयासो से 15 दिन में बनी

कॉलोनी के बच्चों से फीता कटवाकर किया एसपी ने लोकार्पण

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)

पिछले करीब 25 वर्षों से पुलिस लाइन में जर्जर पड़ी सड़क से कॉलोनीवासी परेशान थे। कॉलोनी वासीयों के साथ विगत दिनों कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने पुलिस लाइन रोड का भूमि पूजन किया था, जिसके बाद 15 दिनों में ही पुलिस अधीक्षक के प्रयास से सड़क बनकर तैयार हो गई। रविवार को कॉलोनी के बच्चों के साथ पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, डॉ अनुष्का शर्मा, आरआई स्नेहलता चंदेल ने फीता काटकर सड़क का लोकार्पण किया। वहीं एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया, इस सड़क का नाम शहीद एएसआई अमृतलाल भिलाला होगा।

बतादे कि, शहर की बड़ी पुलिस लाइन में कई सालों से खुदी हुई यह सड़क जर्जर पड़ी थी जिससे कॉलोनी में पुलिस परिवार के लोगों को काफी परेशानी आ रही थी। आए

दिन बच्चों को साइकिल चलाने एवं बारिश में गाड़ी फिसलने से कई घटनाएं होती थी। इसी के चलते कुछ माह पहले पुलिस परिवार के सदस्य सड़क की समस्या को लेकर पुलिस अधीक्षक से सड़क की समस्या को लेकर मिले थे। वहीं रविवार को एसपी ने पुलिस कॉलोनी के परिवारों से घर जाकर मिले और उनकी समस्याओं को भी सुना, बच्चों ने पार्क में झूले लगवाने के लिए भी कहा। इसी के साथ पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा अपनी पत्नी के साथ रविवार को कई महीनों से कैंसर की बीमारी से परेशान पुलिसकर्मी कुक छोटे लाल मेवाड़ा से घर मिलने पहुंचे। इस मौके पर ट्राफिक्र प्रभारी योगेंद्र मरावी, दीपक रघुवंशी, सतीश यादव सहित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण पर नहीं लग रही जिले में लगाम

होम आईसोलेशन में खुद ही करना होगा पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर व दवा की व्यवस्था

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में मार्च में 411 पॉजिटिव सामने आ चुके हैं जो 12 माह में अगस्त व सितंबर को छोड़ सबसे अधिक हैं। वर्तमान में एक्टिव मरीजों का आंकड़ा भी 178 पर पहुंच गया है। इसमें से 65 से अधिक जिला अस्पताल के कोविड सेंटर में भर्ती हैं। मरीजों की संख्या बढ़ने व व्यवस्था गड़बड़ाने से पहले ही शासन ने गाइडलाइन में बदलाव कर होम आइसोलेशन करने की समझाइश दे दी है, इसमें दवाई व उपकरणों की व्यवस्था भी मरीजों को ही करना होगी। जिले में कोरोना संक्रमण प्रशासन के बस के बाहर होता जा रहा है। अगस्त 2020 में 417 एवं सितंबर 2020 में 741 मरीज मिले थे। इसके बाद मार्च में अब तक 411 मरीज मिल चुके हैं। इनकी संख्या तेजी से बढ़ने पर एक्टिव केस भी 178 हो गए हैं। जिले में वर्तमान में कोविड मरीजों के लिए केवल जिला अस्पताल में 139 बेड है, इन पर करीब 65 मरीज भर्ती है। जबकि 15 मरीज रतलाम व अन्य बड़े शहरों में भर्ती हैं। इसी तरह पॉजिटिव का आंकड़ा बढ़ता गया तो वह दिन दूर नहीं जब कोरोना मरीजों को जिला अस्पताल में बेड भी उपलब्ध नहीं होंगे।

पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर के साथ अब दवा की व्यवस्था भी खुद ही करना होगी

प्रदेश में संक्रमण बढ़ रहा है जिसके चलते आवश्यक है कि, कोविड अस्पतालों में उपलब्ध ऑक्सीजन तथा वेंटीलेटर बेड्स का समुचित उपयोग हो। उपचार के बाद मरीजों को अस्पतालों में भर्ती रखे जाने से सीमित साधनों का अनावश्यक उपयोग होता है। दूसरी ओर मध्यम, गंभीर लक्षण वाले जरूरतमंद रोगियों को बेड उपलब्ध कराने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में बिना लक्षण वाले मरीजों को होम आइसोलेट करने कहा है। सैंपल के बाद यदि मरीज में लक्षण नहीं हैं व 3 दिन से बुखार नहीं है तो घर पर ही रहें, स्वयं अपनी निगरानी रखें। इस दौरान पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनर के साथ दवा की व्यवस्था मरीजों के परिजन को करना होगी।

निजी लैब के आंकड़े नहीं किए जा रहे हैं शामिल

मार्च में अब तक 411 नए पॉजिटिव मिले, मंगलवार को भी जिला स्वास्थ्य विभाग ने 18 पॉजिटिव का आंकड़ा जारी किया। जबकि सूत्रों के अनुसार जिले में मंगलवार को करीब 29 पॉजिटिव मिले हैं, करीब 11 पॉजिटिव निजी लैब की रिपोर्ट में सामने आए हैं। इस वजह से अब तक इन्हें पॉजिटिव के आंकड़ों में शामिल नहीं किया। मामले में जिम्मेदार अधिकारी जानकारी नहीं होने की बात कह रहे हैं।

सीरियस को इंदौर, रतलाम रेफर किया जा रहा

वर्तमान में एक्टिव मरीजों में से 60 फीसदी होम आइसोलेट हैं, 40 फीसदी भर्ती हो रहे हैं, कुछ के सीरियस होने पर उन्हें इंदौर, रतलाम रेफर किया जा रहा है। कोरोना रोकथाम के लिए सभी एसडीओ को निर्देश दिए कि, ऐसी जगह को चिह्नित करें जहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा, वरना 188 के तहत कार्रवाई कर संस्था को सील कर चालानी कार्रवाई भी की जाएगी।

कलेक्टर ने दिव्यांग बालिका के घर बनवाया शौचालय, एंड्राइड मोबाईल भी किया भेंट

माही की गूंज, शाजापुर।

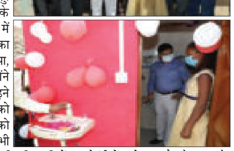

कलेक्टर दिनेश जैन ने जिले के ग्राम भाटखेड़ी निवासी दिव्यांग बालिका कु. योगिता जाधव के लिए उसके घर में शौचालय का निर्माण करवाया, साथ ही उन्होंने बालिका के पढ़ने की उत्सुकता को देखते हुए उसको एंड्राइड मोबाईल भी भेंट किया। बता दे कि, विगत दिनों ग्राम मेहंदी में कलेक्टर जैन के भ्रमण के दौरान दिव्यांग बालिका योगिता व उसके पिता लाखनसिंह जाधव ने आवेदन देकर अपनी परेशानियों से कलेक्टर को अवगत कराया था कि, उसके पैर में ज़हरीले जानवर के काटने से वह दिव्यांग हो गई है, जिसके कारण उसे दैनिक कार्यों में काफी तकलीफों का सामना करना पड़ता है। उसने कलेक्टर को अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि, उसके घर में शौचालय नहीं है, इससे उसे परेशानी होती है। इस पर कलेक्टर दिनेश जैन ने अभिनव पहल करते हुए उसके घर में शौचालय का निर्माण करवाया। कलेक्टर श्री जैन ने दिव्यांग बालिका कु. योगिता के ग्राम जाकर उससे फीता कटवाकर शौचालय का उद्घाटन करवाया। साथ ही योगिता ने कलेक्टर को बताया कि, वह कक्षा 8 वी की छात्रा है और वह आगे पढ़ना चाहती है। स्कूल बंद हाने के कारण ऑनलाइन पढ़ाई करना पड़ रही है। किन्तु उसके पास एंड्राइड मोबाईल नहीं है, इस पर कलेक्टर श्री जैन ने बच्ची के पढ़ने की उत्सुकता को देखते हुए उसे एंड्राईड मोबाईल भी भेंट किया।

दोषी पटवारी निलंबित, संदेश के घेरे में अन्य अधिकारियों की भूमिका भी

माही की गूंज, बड्वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने ठीकरी-अंजड मार्ग पर एक भूमि का दोबारा आपसी सहमति से भू-अर्जन की कार्यवाही रूकवाने में सफ्लता प्राप्त की है। कलेक्टर की इस सजगता के कारण शासन की गाईडलाइन अनुसार पुनः भू-अर्जन हेतु निर्धारित 1 करोड़ 8 लाख का मुआवजा बचाने में सफ्लता मिली है। कलेक्टर ने इस कार्यवाही में सीधे-सीधे जुड़े संबंधित पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। वहीं एनएच सहित राजस्व विभाग के अन्य कर्मियों, पदाधिकारियों पर भी कठौर कार्रवाई हेतु छानबीन प्रारंभ की है।

कलेक्टरेट कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार ठीकरी-अंजड मार्ग निर्माण हेतु कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राज मार्ग संभाग इन्दौर के पक्ष में भूमि क्रय करने की कार्रवाई भूमि स्वामि रहुफपिता गफुर खान निवासी पिपरी की सर्वे नम्बर 45/1 भूमि के 0.027 हेक्टर भूमि के लिए 1 करोड़ 8 लाख रूपए का मुआवजा प्रकरण प्राप्त हुआ था।

प्रकरण में छानबीन करने पर पाया गया कि, खातेदार रहुफकी ग्राम पिपरी में स्थित इस भूमि को रोड़ बनाने हेतु 30 सितम्बर 2008 को 0.670 हेक्टर भूमि का अधिगृहण किया गया था। उस समय इस भूमि का मुआवजा 5 लाख 9 हजार 300 रूपए दिया गया था।

वर्तमान में एनएच ठीकरी-अंजड मार्ग निर्माण हेतु पुनः इसी सर्वे की भूमि के 0.027 हैक्टर जो पूर्व में अधिगृहित रकबे का शेष भाग है। उसे पुनः आपसी सहमति से क्रय निति के तहत अधिग्रहण करने का प्रस्ताव तत्कालिक पटवारी पिपरी महेन्द्र गुप्ता द्वारा बनाकर प्रस्तुत किया गया। जिसका मुआवजा पटवारी 1 करोड 8 लाख रूपए बनाया।

कलेक्टर ने संबंधित पटवारी महेन्द्र गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। वहीं इस प्रकरण में अप्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग के अन्य कर्मियों, पदाधिकारियों के भी मिलीभगत एवं पदेन दायित्वों का निर्वहन अच्छी तरह से नहीं करने पर उनकी भूमिका की भी जॉच प्रारंभ कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट का सट्टा लगाते हुए एक गिरफ्तार, दूसरे फरार

माही की गूंज, थांदला।

भारत-इंग्लैंड क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते हुए अंतर राज्य गिरोह के एक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरे फरार हो गए। थाना प्रभारी अनिल बामनिया ने बताया कि, मुखबिर की सूचना पर उप निरीक्षक मानसिंह सोलंकी, आरक्षक प्रकाशचंद्र, भानसिंह आदि पुलिस जवान ने जवाहर मार्ग पर रवि गाजिया निवासी जवाहर मार्ग थांदला, सत्यम नरेंद्र काकरिया शांति कॉलोनी छावला को मौके पर मोबाइल पर बात करते और डायरी में सट्टा लिखा, पुलिस ने घेराबंदी कर दबिश देकर मोके से कार्यवाही के दोरान सत्यम भाग निकला जबकि रवि पकड़ा गया। रवि के पास से एक मोबाइल, सट्टे की डायरी और नगदी बरामद कर गिरफ्तार कर जमानत पर रिहा कर दिया गया।

सोसल डिस्टेस एवं मास्क लगाने के नियम में दे अपना सहयोग- कलेक्टर वर्मा

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने जिले में बढ़ रहे कोरोना पॉजिटिव केस के मद्देनजर सभी दुकानदारों से आव्हान किया है कि, वे सोशल डिस्टेंसिंग एवं मुह पर मास्क लगाने के नियम का पालन करने एवं करवाने में अपना पूर्ण सहयोग दे। जिससे जिले में कोरोना के खिलाफजारी जंग को हर-हाल में जीता जा सके।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने दुकानदारो से आव्हान किया कि, वे स्वयं भी दुकान पर मास्क लगाकर बैठे एवं ग्राहक को भी अनिवार्य रूप से मास्क लगाने के नियम का पालन करवाए। अगर कोई ग्राहक बिना मास्क लगाए खरीददारी करने आता है तो उससे पहले मुंह पर मास्क लगवाए, फिर सामान दे, अगर ग्राहक मास्क नहीं लगाता तो उसे सामान न दे। इसी प्रकार कलेक्टर ने दुकानदारों को आदेशित किया कि, वे अपनी दुकान के सामने सफेद गोले अनिवार्य रूप से बनाए। जिससे आने वाले ग्राहक स्वतः ही सोशल डिस्टेंस नियम का पालन करें। इसी प्रकार कलेक्टर ने दुकानदारों को समझाईश दी कि, वे अपने प्रतिष्ठानों में हाथो को सैनेटाइज करने की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से करें, जिससे वे स्वयं एवं आने वाले ग्राहक, कोरोना के वायरस से बच सके।

न मानने पर प्रतिष्ठन होगा बंद

कलेक्टर वर्मा ने जिले के समस्त एसडीएम एवं नगरपालिका के पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि, वे अपने प्रभार क्षेत्र की दुकानो का अविलम्ब निरीक्षण करें, जो दुकानदार उक्त आव्हान एवं निर्देशो का पालन नहीं करे। उस पर पहली बार जुर्माना लगाने की एवं अगली बार पुनः उल्लंघन होने पर प्रतिष्ठान बंद कराने की कार्रवाई करें।

27 मरीजों की रिपोर्ट आई कोरोना पॉजिटिव

माही की गूंज, खंडवा।

जिले में बुधवार को 27 मरीजों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव एवं 426 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिले में अब कुल 2 हजार 796 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी है। एपिडिमियोलॉजिस्ट डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि, जिले में इस समय कोरोना संक्रमण के कुल 161 एक्टिव केस है। जिले में कोरोना संक्रमण से मुक्त होने पर अब तक कुल 2 हजार 568 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा चुका है। डॉ. शर्मा ने बताया कि, बुधवार को कुल 524 मरीजों के सेम्पल लिए गए है।

पंचायती ठेके में वित्तिय अनियमित्ता में सचिव निलम्बित

माही की गूंज, झिरनिया (खरगोन)।

आर्थिक अनियमित्ताओं को लेकर आए दिन सुर्खियां बटोरने वाली ग्राम पंचायत झिरनिया के नुमाइंदों का एक और बड़ा कारनामा सामने आया है। गत वर्ष लॉकडाउन पश्चात् चलित एवं साप्ताहिक हाट बाजार के तीन ठेकों की दूसरी नीलामी में नियमो को ताक में रखकर बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी की गई थी। लोगो की शिकायत पर स्व. सांसद नंदकुमार सिंह चौहान ने मामले की जांच हेतु कलेक्टर को पत्र लिखा था। इस पर कार्रवाई करते हुए जिला सीईओ गौरव बैनल ने 13 लाख 33 हजार की वित्तीय अनियमित्ता का दोषी मानकर पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया।

27 मार्च को जारी उक्त आदेश में जिला पंचायत सीईओ गौरव बैनल ने 18 फरवरी के अपने कार्यालयीन पत्र का जिक्र करते हुए लिखा कि, ग्राम पंचायत झिरनिया के सरपंच धुमसिंह पटेल तथा सचिव बलीराम दिलावरे को कारण बताओ नोटिस दिया गया था। 22 फरवरी को नोटिस का उत्तर देते हुए सरपंच व सचिव ने बाजार हाट के ठेकों की नीलामी के संबंध में अपने तथ्य प्रस्तुत किए। आदेश में लिखा गया कि, वर्ष 2020 -21 हेतु बैल बाजार, मुर्गा बाजार, बाजार बैठक तथा चलित दुकान का ठेका 56 लाख में दिया गया था। जिसकी औसत मासिक आय 4 लाख 67 हजार होती है।

सीईओ के आदेश के मुताबिक पांच माह (नवम्बर से मार्च 2021) की ठेका राशी 23 लाख 33 हजार होना चाहिए था। किन्तु पंचायत ने उक्त समस्त ठेके महज 10 लाख रुपए में ही दे दिए। इस प्रकार ठेकों से पंचायत को 13 लाख 33 हजार रूपयो की हानि हुई। शासकीय कार्य मे लापरवाही बरतने का दोषी पाकर पंचायत सचिव बलीराम दिलावरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

बिना मास्क के घुमने वाले जाएंगे ओपन जेल, संकट प्रबंधन समुह की बैठक संपन्न

माही की गूंज, खरगोन।

स्वामी विवेकानंद सभागृह में बुधवार को जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समुह की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे पुलिस अधीक्षक शैलेंद्रसिंह चौहान ने कहा कि, अब खरगोन में किसी भी तरह कोरोना के नियंत्रण के लिए कठोर प्रयास और निर्णय लेना जरूरी हो गए है। यह अकेला खरगोन शहर का विषय नहीं, बल्कि पूरे जिले व एक-एक नागरिकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा का विषय है। कोरोना की नियमित समीक्षा में सामने यह आया है कि, महाराष्ट्र में संपर्क में आने वाले कम, बल्कि अन्य स्थानों से आने वाले लोग भी संक्रमित हो रहे है। खरगोन में संक्रमण का ट्रेन बदल रहा है। इसलिए अब लोगों को भी नियमों, त्यौहारों में भी बदलाव जरूरी हो गया है। बैठक में जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए पूर्व में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश को पुनः 15 अप्रैल तक बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की। संकट प्रबंधन समुह के सभी सदस्यों ने 15 अप्रैल तक प्रतिबंधात्मक आदेश बढ़ाने पर अपनी सहमति दी। साथ ही सभी सदस्यों ने इस पर भी अपनी सहमति दी कि, बिना मास्क के घुमने वाले लोगों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएं। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक श्री चौहान ने कहा कि, सभी नगरीय निकायों में जहां-जहां संक्रमण फैल रहा है और बिना मास्क के घुमने वालों की संख्या ज्यादा है, उन सभी नगरीय निकायों में ओपन जेल अस्थाई तौर पर बनाई जाएगी। जहां बिना मास्क के पाए जाने पर 6 घंटे तक इस अस्थाई जेल में रखा जाएगा।

दुकान होगी 7 दिनों तक बंद

बैठक में एसडीएम सत्येंद्रसिंह ने कहा कि, सभी सदस्य अपने-अपने समुदाय व प्रभावशील क्षेत्रों में जाकर बताएं कि अब सख्ती का दौर प्रारंभ हो रहा है। इसलिए मास्क के साथ सामाजिक दूरी बनाए रखें। साथ ही जिस दुकान का कोई भी सदस्य संक्रमित/पॉजिटिव आया तो उस दुकान को 7 दिनों तक के लिए बंद रखा जाएगा, पॉजिटिव चाहे दुकान मालिक हो या कर्मचारी, वहीं पॉजिटिव आने वाले व्यक्ति को होम कोरेनटाईन कर घोषणा पत्र भी भरवाया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ गौरव बेनल ने बैठक में कहा कि, पूर्व की तरह जिले में प्रवेश करने वाले 13 मार्गों पर नाके बनाए जाएंगे। रात्रि 8 बजे से प्रातः 6 बजे तक बाजार बंद किए जाएंगे। इसके अलावा घर से बाहर होली खेलने पर भी प्रतिबंधित रहेगा। सभी लोग अपने-अपने घरों में ही होली मनाएं। बैठक में सदस्यों ने आने वाले गणगौर पर्व को लेकर भी चर्चा। इस पर पुलिस अधीक्षक व अन्य सदस्यों ने भी सहमति जताई कि गणगौर पर्व 8 अप्रैल से प्रारंभ होगा, इसके लिए पृथक से बैठक आयोजित कर निर्णय लिया जाएगा।

जिला पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाया

माही की गूंज, झाबुआ। जिला पेंषनर्स एसोसिएषन के अध्यक्ष रतनसिंह राठौर के नेतृत्व में एसोसिएषन के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने 31 मार्च, बुधवार को जिला चिकित्सालय पहुंचकर कोविड सेंटर में वेक्सीन का दूसरा डोज लगवाया। इन सभी को पहला डोज विगत 3 मार्च को लगा था, जिसके बाद दूसरा डोज 27 दिन छोड़कर 31 मार्च को सभी ने लगवाया।

शासन-प्रषासन के नियमों का करे पालन

जिला कोषाध्यक्ष भेरूसिंह सोलंकी ने कहा कि यह टीका पूरी तरह से सुरक्षित होकर कोविड से बचाव में महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके साथ ही प्रत्येक नागरिक शासन-प्रषासन के निर्देषों का भी पूर्णतः पालन करे। जिसमें घरों से बाहर निकलते समय मास्क का अनिवार्य रूप से उपयोग, सोष्यल डिस्टेनिसंग अर्थात 2 गज की दूरी का पालन के साथ सेनेटाईजर या साबुन से जरूरी रूप से हाथ धोए। ऐसा करने से कोविड से काफी हद तक रोकथाम हो सकती है और यह जिला स्वस्थ और सुरक्षित भी रह सकेगा।

बुधवार को जिला चिकित्सालय के कोविड सेंटर में वेक्सीन का दूसरा डोज जिला पेंषनर्स एसोसिएषन के अध्यक्ष श्री राठौर, कोषाध्यक्ष श्री सोलंकी के साथ वरिष्ठ अरविन्द व्यास, सुभाष नागर, भंवरसिंह राठौर, मथराम सिंह, बैरागी समाज के जिलाध्यक्ष रामचंद्रदास बैरागी आदि ने लगवाकर जागरूकता का परिचय दिया।

कलयुगी पिता ने दूसरी पत्नी की जिद में ली मासूम बेटे की जान

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)।

एक पिता ने अपने मासूम बेटे को बिना कोई गलती के महज इसलिए मौत के घाट उतार दिया कि, अपनी पहली पत्नी की कोख से जन्मे उस मासूम के कारण उसकी दूसरी पत्नी नाराज रहती थी और अक्सर घर में झगड़ा करती थी, बस उसकी पत्नी ममता बाई लववंशी की इसी जिद के कारण एक बाप को अपने ही बेटे का खून करना पड़ा।

यह है मामला

राजगढ़ जिले के ब्यावरा थाना अंतर्गत खोडियाखेड़ी गांव का जहां रहने वाले पर्वतसिंह लोधा की पहली पत्नी जो गांगाहोनी की रहने वाली थी, वह पर्वतसिंह से विवाद के चलते अलग रहने लगी थी, उसका बेटा अरुण अपने पिता के पास ही रहने लगा था। बाद में पर्वतसिंह ने दूसरी शादी बिजावन गांव की ममताबाई से की, जो पर्वत की पहली पत्नी के बेटे अरुण को ममता नही दे पाई और अपने खुद के दो बच्चे पैदा होने पर अक्सर पर्वत से अरुण के कारण लड़ाई झगड़ा करने लगी। पर्वतसिंह द्वारा अपने बच्चे को पहले तो झगड़ा टालने के एवज में होस्टल में छोड़ा, लेकिन उसके बाद भी सौतेली माँ ममताबाई ने पर्वतसिंह से झगड़ा करना बंद नही किया और 20 दिन पूर्व ममताबाई अपने मायके बिजावन चली गई। जब पर्वत, ममताबाई को लेने बिजावन गया तो ममताबाई ने खुद आने के बजाए अपने दोनों बच्चों को पर्वत के साथ खोडियाखेड़ी भेज दिया, बस उसी समय से पर्वत ने झगड़े की जड़ अपने बच्चे अरुण को मानते हुए उसे अपनी राह से हटाने के लिए योजना शुरू की। जब होलिका दहन के समय गांव के लोग होलिका दहन में व्यस्त थे उसी समय 28 मार्च को अरुण को अपने खेत पर ले जाकर गला घोंटकर मार दिया और साक्ष्य छुपाने के लिए अपने चचेरे भाई जितेंद्र को फोन कर साक्ष्य मिटाकर अरुण का सुबह जल्दी अंतिम संस्कार करने की योजना बनाई ओर खुद ब्यावरा एक लाज में जाकर रुका तथा सुबह जल्दी रिश्तेदारो को सूचना देकर अरुण का अंतिम संस्कार कर दिया। उसके बाद अरुण की असली माँ द्वारा ब्यावरा थाने पर सूचना रिपोर्ट दी, जिस पर मामले को संज्ञान में लेकर थाना प्रभारी राजपाल सिंह राठौर ने जांच शुरू की। मृतक के गांव खोडियाखेड़ी पहुंच कर राजगढ़ से फॉरेंसिक टीम एवं सायबर एक्सपर्ट टीम बुलाई और घटनास्थल की बारीकी से जांच की। आस-पास के लोगो सहित पर्वत से पूछताछ की ओर विवेचना में आए बिंदुओं की कड़ी को जोड़कर मामले को सुलझाकर आरोपी पर्वत, ममताबाई व चचेरे भाई जितेंद्र के खिलाफ अपराध पंजीबद् कर धारा 323, 302, 201, 120 (बी) में आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया।

करंट लगने से हुई युवती की मौत में लापरवाही का मामला आया सामने

महिला की गिरफ्तारी के साथ दूध मुहा बच्चा भी पहुंचा जेल

माही की गूंज, खवासा।

एक छोटी सी लापरवाही या अनदेखी लोक से परलोक भी सिधार देती है, तो वही छोटी सी लापरवाही व्यक्ति को कहां से कहां पहुंचा सकती है यह कहा नहीं जा सकता है।

ऐसी ही एक छोटी सी लापरवाही के साथ दर्दनाक मंजर 22 फरवरी को खवासा के पाटीदार मोहल्ले में देखने को मिला था, जिसमें एक युवती की मौत हो गई थी। नतीजा मामले में लापरवाही सामने आई और महिला को जेल तक पहुंचा दिया। इतना ही नहीं मामले में दूध मुहा बच्चा जिसे भूल व लापरवाही होती क्या है यह भी नहीं पता, उसे भी अपनी मां के साथ आज जेल की सलाखों के अंदर जाना पड़ा।

मामला खवासा के पाटीदार मोहल्ले के निवासी कमलेश पाटीदार की 20 वर्षीय पुत्री रानू अपने पड़ोसी वृद्ध भागीरथ पाटीदार के यहां गई थी। भागीरथ जी की बहू बदला हुआ नाम मनीषा पति मनीष पाटीदार (24) बाल्टी में हीटर लगाकर पानी गर्म करने हेतु बिजली का स्विच चालू कर बाथरूम में अन्य कार्य व नहाने हेतु चली गई। इतने में पड़ोसी रानू घर पर आई तो एक सामान्य स्थिति में महिला मनीषा ने पड़ोसी रानू से हिटर से बाल्टी में गरम हो रहा पानी की बाल्टी हीटर निकाल कर देने की बात कही, जिस पर पड़ोसी रानू ने छोटी सी भूलवश चालू हीटर में ही गर्म पानी की स्थिति देखने हेतु बाल्टी में हाथ डाल दिया और वही रानू को ऐसा जोर से करंट का झटका लगा कि, उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। जिसके बाद पड़ोसी एवं वृद्ध भागीरथ पाटीदार के साथ बहू एवं परिवार सभी उक्त दर्द भरी घटना से स्तब्ध हो गए थे। वहीं उक्त घटना जैसे ही ग्राम व क्षेत्र में लगी हर किसी ने दुखी होकर उक्त घटना पर चिंता व्यक्त की थी।

मृतक रानू के परिजनों ने किसी अन्य की लापरवाही के कारण पुत्री की मौत व न्याय की आस में खवासा चौकी में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने अपराध क्रमांक 200/21 धारा 304 भादवि के तहत मामला दर्ज कर जांच की, जांच में खुलासा हुआ कि, बदला हुआ नाम मनीषा पाटीदार (24) ने हीटर में खुले वायर होने के बावजूद बिजली प्लग में पिन लगाकर हीटर से पानी गर्म किया जा रहा था, चुंकी खुले वायर की जानकारी होने के बावजूद रानू को हीटर से गरम हो रहा पानी की बाल्टी देने का कहा, जिस पर गर्म पानी देते समय हीटर के खुले वायर होने के कारण रानू को करंट लग गया और उसकी मौत हो गई।

चौकी प्रभारी सुशील पाठक ने बताया कि, मामले में बदला हुआ नाम मनीषा की लापरवाही जांच के दौरान सामने आई है, महिला की गिरफ्तारी कर थांदला न्यायालय में पेश किया था, न्यायालय ने जेल वारंट जारीकर महिला को जेल भेज दिया है। महिला के साथ 7 वर्षीय अबोध दूधमुंहा बच्चा है जो मां के बिना नहीं रह सकता है वह भी अपनी मां के साथ गया है यह सही है।

यातायात मुहीम का ढ़कोसला करने वाली जीआरआईपी कम्पनी का रोड के समीप सांकेतिक बोर्ड नीचे गिरा पड़ा

माही की गूंज, भामल।

भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा दिल्ली मुंबई 8 लाइन एक्सप्रेस-वे भामल के कैंप नरसिंगपाड़ा (भामल) चेनल क्रमांक 24 बाजना मार्ग पर जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी का बोर्ड लगा हुआ है, जिस पर लिखा हुआ है, औद्योगिक क्षेत्र प्रारंभ है कृपया वाहन के आवागमन पर ध्यान रखें और अपने वाहन की गति धीमी रखें। उक्त सांकेतिक बोर्ड रोड के समीप ही कई दिनो से नीचे गिरा हुआ है, जिससे वाहन चालकों को यह यातायात की जानकारी दिखाई नहीं दे रही हैं। पास में होटल संचालक ने बताया कि, कुछ दिन से यह बोर्ड ऐसे ही रोड के किनारे उखड़कर गिरा पड़ा हुआ है, इसी केंप के अन्दर कई जीआर कंपनी के कर्मचारी रोड पर आना-जाना करते हैं, लेकिन फिर भी कम्पनी की तरफसे कोई ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है। वहीं कई बार यातयात सड़क सुरक्षा के लिए जीआर कम्पनी ने जागरूकता अभियान चलाया था पर देखा जा सकता है कि, वह मुहीम सिर्फ आमजन की वाहवाही लुटने व समाचार पत्रों में छपने हेतु मात्र यातायात मुहीम का कम्पनी की और से ढ़कोसला मात्र ही था।

गर्मी शुरू होते ही गहराया जल संकट

माही की गूंज, काकनवानी।

नल-जल योजना को लेकर सरकार ने लाखों-करोड़ों रुपए बर्बाद कर दिए, जिसके बावजूद भी नल-जल योजना ठप पड़ी हुई है। वर्षों से बनी हुई पानी की टंकी जो कि, धीरे-धीरे ध्वस्त हो रही है। उसके बाद एक और पेयजल के लिए पीएचई विभाग द्वारा टंकी बनाई हुई है जो कि, मंडी के पास में बनी है, यहां पानी अनास नदी बाल्वासा से लाया जाता है, वह भी अब नल-जल के लिए उपयोग नहीं हीं हो रही है। सरकार की योजनाओं को पलीता लगा रही ग्राम पंचायत एवं पीएचई विभाग जो लापरवाही बरत रहे हैं।

लोगों को पेयजल के लिए निजी तौर पर 300 रूपए प्रति टैंकर देकर पानी डलवाना पड़ रहा है व 20 रूपए प्रति ड्रम के हिसाब से पानी खरीदना पड़ रहा है। लेकिन ग्राम पंचायत को इससे कोई लेना-देना नहीं है। नल-जल योजना से कभी 8 दिन में तो कभी 15 दिन में जल वितरण होता है, वह भी मात्र एक ड्रम पानी भरते ही नल बंद हो जाते हैं। भाजपा-कांग्रेस की लड़ाई में आम जनता का भारी नुकसान हो रहा है, जिस कारण पेयजल को लेकर काफी दिक्कत आ रही है। अब इन राजनीतिक दलों को कौन समझाए की जनता किसी की नहीं होती है जनता उसी की होती है जो जनता का सुख-दुख में जनता का साथ दे, समस्याओं का निवारण करें। जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि का यह दायित्व रहता है कि, वह जनता के विश्वास पर खरा उतरे व जनता की समस्या का निवारण करें।

पेयजल को लेकर बारिश व ठंड में तो जैसे-तैसे दिन निकाल दिए, लेकिन इस भयंकर गर्मी से निजात पाने के लिए संबंधित विभाग को चाहिए कि, वह रोजाना पेयजल वितरण करें, ताकि ग्रामवासियों को इस संकट से जूझना न पड़े। अभी तो गर्मी की शुरुआत ही हुई है अभी मई और जून की भयंकर गर्मी में पेयजल के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा। इससे पहले की घोर संकट हो पंचायत एवं पीएचई विभाग को अभी से अलर्ट हो जाना चाहिए कि, पेयजल संकट न गहराए। इस गांव का सौभाग्य है कि, सरपंच भी यहीं से और जनपद अध्यक्ष भी यहीं से एवं जिला पंचायत अध्यक्ष भी यहीं से हैं, उसके बावजूद भी अगर इस गांव में पेयजल जैसी समस्या का निवारण नहीं होता है तो इसे इसे गांव का दुर्भाग्य ही कहेंगे या फिर यह कह सकते हैं कि, ''सैंया भए कोतवाल तो फिर काहे का डर''।

ग्राम में एक लम्बे समय के बाद बुधवार को नल में पानी आया तो ग्रामीण फुले नहीं समाए, अब देखना यहाँ है कि, क्या यह नल में आया जल मात्र एक दिन के लिए ही आया है? क्या अब फिर से 8 या 15 दिन बाद नल में पानी देखने को मिलेगा? इन सारे प्रश्नो का उत्तर तो जिम्मेदार ही दे सकते है। वही ग्रामीणों को अब भी बुधवार को नल में जल आने के बाद भी चिंता सता रही है कि, अब अगली बार नल में पानी कब आएगा, और कितना इंतजार करना पड़ेगा।

– डूंगरी पाड़ा रोड पर बनी पुरानी पेयजल टंकी अपनी जर्जर अवस्था में।

सावधान आम्बुआ, बोरझाड़ में कोरोना ने पुनः दी दस्तक

वैक्सीन लगवाने में आमजन नहीं ले रहे रुचि

माही की गूंज, आम्बुआ।

कोविड-19 जानलेवा महामारी अब प्रतिदिन अधिक सक्रियता के साथ फैलती जा रही है, शासन-प्रशासन द्वारा जारी कोरोना गाईडलाइन को नहीं मानने के नतीजे सामने आने लगे है। आम्बुआ के समीप ग्राम बोरझाड़ में महीनों बाद कोरोना ने पुनः सक्रियता दिखाई है तथा कुछ लोगों के संक्रमित होने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग से मिल रही है। उधर वैक्सीन लगवाने में अभी भी लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं, इस कारण भविष्य में परेशानी बढ़ सकती है।

आम्बुआ कस्बा विगत वर्ष से भले ही कोरोना से अछूता नहीं रहा हो, मगर कोई गंभीर स्थिति भी यहां नहीं रही थी। आम्बुआ में पिछले वर्ष 3 बच्चों सहित दो युवा इसकी चपेट में आए तथा इलाज के बाद वे स्वस्थ हो गए। जबकि समीप ग्राम बोरझाड़ में संक्रमित में से दो सगे भाइयों की मृत्यु हो गई थी, उसके बाद से दोनों ग्रामों में सक्रिय मरीज नहीं मिले। प्रशासन की छूट के बाद लोगों ने भी बीमारी को नजरअंदाज कर मास्क तथा दो गज की दूरी तथा बार-बार हाथ धोने आदि पर ध्यान देना बंद कर दिया, नतीजा यह रहा कि आम्बुआ तथा बोरझाड़ में कुल पांच व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव निकले है। जिसमें से दो को होम आइसोलेशन में रखा गया है तथा तीन का इलाज दाहोद में चल रहा है। दहशत में आकर कुछ लोगों ने अस्पताल जाकर कोरोना टेस्ट करवाया जिसमें से नेगेटिव रिपोर्ट बताई जा रही है।

कोरोना वैक्सीन लगवाने में अभी भी उम्रदराज लोगों के परिवार ध्यान नहीं दे रहे हैं तथा कोरोना वैक्सीन नहीं लगवा रहे हैं, इस कारण वैक्सीन लगवाने वालों की संख्या कम रही है। प्रशासन को इस ओर विशेष सख्ती के साथ लोगों को टीका लगवाने हेतु प्रेरित करना जरूरी है।

पुलिसकर्मी निकला कोरोना पॉजिटिव

माही की गूंज, जोबट।

कोविड-19 संक्रमण की दुसरी लहर में जोबट पुलिस थाने का जवान कोरोना पॉजिटिव पाया गया। पुलिस जवान को जिला अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है, साथ ही थाने को पूरा सेनेटाइज किया गया। वहीं थाने के पांच अन्य जवानो को सेल्फ आइसोलेशन में रखा गया है। जिसके बाद से ही पुलिस महकमे में चिंता की लकीरे छाई हुई है।

न्यूज ब्रीफ

कोरेना संक्रमण से बचाव हेतु अनिवार्य रूप से मास्क लगाए - कलेक्टर सुरभि गुप्ता

माही की गूंज, अलीराजपुर। कलेक्टर सुरभि गुप्ता ने समस्त जिलेवासियों से आव्हान किया है कि, कोरेना संक्रमण से बचाव तथा संक्रमण रोकने संबंधित दिशा निर्देशों का पालन करते हुए अनिवार्य रूप से मास्क लगाए। कंटेन्मेंट और होम क्वारेन्टाइन संबंधित दिशा निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करें। कोरेना संक्रमण रोकने हेतु अनिवार्य रूप से मास्क लगाने, सोशल डिस्टेन्सींग का पालन करने, थोड़े-थोड़े समय में साबुन अथवा सेनेटाइजर से हाथ साफ करने का आव्हान किया है। कंटेन्मेंट और होम क्वारेन्टाइन क्षेत्र के निवासियों से दिशा निर्देशो का पालन अनिवार्य रूप से करते हुए कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ने के प्रयासों में सहयोग का आव्हान किया है। कलेक्टर ने नगरीय एवं ग्रामीणों, रहवासियों से भी मास्क अनिवार्य रूप से लगाते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देश का पालन अनिवार्य रूप से करने की बात कही। कलेक्टर गुप्ता ने समस्त अनुविभागीय अधिकारीगण को निर्देश दिए कि, कोरोना से बचाव संबंधित दिशा निर्देशो का पालन सुनिचित कराया जाए।

आज से सात फीसदी बढ़ जाएगा टोल टैक्स

माही की गूंज, अलीराजपुर। प्रदेश में बीओटी के तहत अनुबंधित मार्गों में लगे टोल प्लाजा की दर में आज से सात प्रतिशत की वृद्धि हो जाएगी। इस संबंध में एमपीआरडीसी ने निर्देश जारी कर दिए हैं। वर्तमान दरों पर सात फीसद की वृद्धि 31 मार्च की रात्रि 12 बजे के बाद से प्रभावी हो गई है। नानपुर स्थित टोल प्लाजा मैनेजर शंकरसिंह गौड ने बताया कि, नियमानुसार सात फीसद दर वृद्धि के लिए शासन स्तर का पत्र मिल गया है। सात प्रतिशत की वृद्धि आज से प्रभावी होगी।

बीओटी के अनुबंध के मुताबिक प्रति वर्ष टोल टैक्स की दरों में सात फीसद वृद्धि होती है। चांदपुर, नानपुर, कुक्षी, बड़वानी रोड़ दोनों टोल प्लाजा में अप्रैल की पहली तारीख से मध्यप्रदेश रोड डेवलोपमेन्ट कारपोरेशन लिमिटेड व मध्यप्रदेश स्टेट हाइवे अथॉरिटी कंपनी के अनुबंध के मुताबिक सात फीसद अधिक शुल्क चुकाना पड़ेगा। सड़क बनाकर टैक्स वसूलने वाली टोल कंपनी प्रति वर्ष इसी तरह अनुबंध के मुताबिक शुल्क बढ़ाएगी। बीओटी के चीफ इंजीनियर आशुतोष मिश्रा के आदेशानुसार टोल राशि में वृद्धि आज से प्रभावी होगी।

नानपुर टोल प्लाजा पर कार के लिए 53 रुपए, एलसीवी के लिए 127 रुपए, बस के लिए 263 रुपए, ट्रक के लिए 316 रुपए, एमएवि के लिए 630 रुपए नए रैट रहेंगे। वहीं सुसरी टोल प्लाजा पर कार के लिए 37 रुपए, एलसीवी के लिए 89 रुपए, बस के लिए 186 रुपए, ट्रक के लिए 223 रुपए, एमएवि के लिए 445 रुपए नए रैट रहेंगे।

जहरीली शराब बनाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

अवैध कच्ची शराब के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय करने वाले तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए चल रहे अभियान में दलौदा, भावगढ़ और अफजलपुर थाने की पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए ग्राम माऊखेड़ी के समीप अवैध रूप से शराब बनाने वाली एक फैक्ट्री पर दबिश दी। यहां पर अवैध रूप से जहरीली शराब बनाई जा रही थी। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार शराब बनाने की सामग्री, 55 लीटर स्प्रीट (ओपी), 3 हजार खाली शराब की बोतलें, 1 हजार 5 सौ ढक्कन एवं शराब निर्माण में उपयोग आने वाले उपकरण जब्त किए गए।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार, एक सूचना के बाद ग्राम माऊखेडी के समीप शिवना नदी की तरफएक खेत कुएं पर दबिश दी, यहां पर रामप्रसाद गायरी के अस्थाई मकान पर स्प्रीट (ओपी) से अवैध शराब तैयार की जा रही थी। पुलिस ने मौके से आरोपी रामप्रसाद पिता वरदा गायरी (55) एवं राहुल पिता रामप्रसाद (24) निवासी माऊखेडी को पकड़ा। तलाशी लेने पर मकान के अन्दर रखी दो बड़ी कैनो में भरा तरल पदार्थनुमा एवं मौके पर खडा ट्रेक्टर मय ट्राली एमपी 14 एसी 4121 जब्त की गई, ट्राली में रखे 20 बोरे में शराब बनाकर भरने के बिना ढक्कन के करीब तीन हजार नग क्वार्टर एवं एक बोरे में क्वार्टर पर लगाने के ढक्कन करीब 1 हजार 5 सौ नग एवं शराब की पेटी एवं कार्टुन बनाने के खाकी रंग के पुस्टे से भरा एक बोरा जिसमें 25 नग पुस्टे मिले। मौके पर मिली दो कैन में भरी काफी मात्रा में पाई गई स्प्रीटनुमा पदार्थ जिससे अवैध शराब बनाकर आम लोगों को बेचकर उसके उपयोग करने से आम लोगो के जीवन को खतरे में डाल रहे थे। दोनो जरी कैनो भरा स्प्रिट करीब 55 लीटर तरल पदार्थ के बारे मे दोनों आरोपितों से पूछताछ करने पर स्प्रीट (ओपी) होना बताया तथा उसी से अवैध शराब तैयार की जाकर आसपास के गांव में भी विक्रय की जा रही थी। दोनों आरोपियों के विरुद्ध भावगढ थाने पर धारा 34 (2), 49 (ए) आबकारी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया।

बिजली गुल, गर्मी फूल, जीना हो रहा मुश्किल

माही की गूंज, कुंदनपुर। कृष्णपाल सिंह ठाकुर

त्योहारो के चलते कुंदनपुर-रानापुर सहीत ग्रामीण अंचल में बिजली विभाग की मनमानी से ग्रामीणों के हाल बेहाल हैं। बीते कई दिनों से बिजली सुबह से लेकर शाम तक नही रहती है, जिसके कारण लोगों को गर्मी के दिनों में जीना मुश्किल हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि, बीते कई दिनो से लगातार बिजली सुबह से शाम तक बन्द रहती है या फिर बार-बार आती-जाती रहती है, विभाग में फोन करने पर कोई भी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा फोन नहीं उठाया जा रहा है। जिससे लोगों को यह भी पता नहीं पता चल रहा है कि, आखिर गांव बिजली क्यों नहीं आ रही है और आखिर कब तक आएगी। विद्युत अधिकारियों की इस लापरवाही को लेकर लोगो मे आक्रोश है। लोगो का कहना है कि, हर महीने पूरा बिल भरने के बाद भी विद्युत प्रदाय की कटौती की जा रही है।

होली के अवसर पर रंगारंग काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। माहिष्मति कला मंच जिला इकाई झाबुआ द्वारा अविरल काव्य धारा अंतर्गत 11वीं रंगारंग काव्य गोष्ठी का आयोजन स्थानीय रोटरी सदन में सभागृह में किया गया। आयोजन माहिष्मति कला मंच के क्षेत्रीय प्रभारी यषवंत भंडारी 'यष' एव जिलाध्यक्ष एमएल फुलपगारे 'गुलषन' की उपस्थिति में आरंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ख्यातनाम शायर डॉ. वाहिद शेख 'फराज' ने की।

होली के रंगारंग त्यौहार के बीच कला मंच द्वारा आयोजित गरिमामय आयोजन में जिले के प्रतिष्ठित साहित्यकारों और रचनाकारों ने होली एवं श्रृंगार की उत्कृष्ट स्वरचित रचनाओं का प्रस्तुतिकरण कर काव्य गोष्ठी को ऊंचाईयों तक पहुंचाया। गोष्ठी के प्रारंभ में गायक जवाहरसिंह राठौर ने मनुष्य के जीवन पर आधारित सुंदर गीत की प्रस्तुति देकर समां बांधा। बाद प्रसिद्ध शायर एवं गजलकार एजाज नाजी 'धारवी' ने मधुर कंठ से कृष्ण की मूरली का गीत सुनाकर सामाजिक समरसता का परिचय दिया। वरिष्ठ आंसू कवि संजय कानूनगो ने ''प्रेम-श्रृंगार से सराबोर, होली का त्यौहार'' जैसी रचना प्रस्तुत की। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जयनारायण बैरागी ने होली के रंग पर बहुत ही उत्कृष्ट गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

गोष्ठी के अंत में कवि यशावंत भंडारी ने अपनी चित-परिचित शैली में कहा कि होलिका का दहन है होली, प्रहलाद का समर्पण है होली, गोपियों का मधुमास है होली, मस्ती का अहसास है होली, एकता की सूत्रधार है होली, सद्भाव की बयार है होली, राष्ट्र की अस्मितां का आधार है होली, गीतों की मनुहार है होली, संस्कृति का संस्कार है होली'' के साथ गोष्ठी को विराम दिया। अंत में आभार संस्था के जिला महासचिव प्रवीण सोनी ने माना। इस अवसर पर सभी साहित्यकारों ने ठंडाई का पान कर एक-दूसरे को धुलेंडी की शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

शुभ मुहूर्त में हुआ होलिका दहन, कोरोना के कारण नहीं मनी धुलेंडी

माही की गूंज, आम्बुआ।

हिंदू संस्कृति का पर्व होली इस बार कोरोना की भेंट चढ़ गया। शासन-प्रशासन के निर्देशानुसार कोरोना गाईडलाइन का पालन करते हुए आम्बुआ तथा समीप ग्राम बोरझाड़ व ग्रामीण क्षेत्रों में होलिका दहन तो हुआ मगर रंग नहीं खेला गया, वहीं बाजार में भी सन्नाटा पसरा रहा।

क्षेत्र में होली के पूर्व एक सप्ताह तक भगौरिया मेले आयोजित होने के बाद 28 मार्च की रात शुभ मुहूर्त में होलीका दहन स्थानीय पुजारियों द्वारा तथा समीप ग्राम बोरझाड़ में जोबट राज परिवार के वंशज राठौर परिवार के कुंवर रूद्र प्रतापसिंह ने होलिका की पूजा अर्चना कर होलिका दहन किया। होलिका दहन के द्वितीय दिवस धुलैंडी की धूम रहती है जिसमें जमकर रंग खेला जाता है। इस वर्ष कोरोना महामारी के कारण लोग घरों से बाहर नहीं निकले, यहां तक कि छोटे बच्चे जिन्हें रंग खेलने में मजा आता है इस बार वे भी कोरोना गाईडलाइन का पालन करते हुए रंग खेलने नहीं निकले। इस तरह कोरोना के कारण रंगों का पर्व होली बे-रंग ही रही।

नवरत्न सागरजी के 78वें जन्मोत्सव पर सद्गुरू गौशाला और मदर टेरसा आश्रम में हुए कार्यक्रम

माही की गूंज, झाबुआ।

मालव भूषण, तप सम्राट आचार्य नवरत्न सागर सूरीश्वरजी मसा के 78वें जन्मोत्सव पर 31 मार्च, बुधवार को श्री मालवा जैन श्वेतांबर महासंघ, भारतीय जैन संघटना एवं नवरत्न परिवार झाबुआ द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातःकाल लक्ष्मीनगर स्थित सद्गुरू गौशाला में गौ-माताओं को आहार करवाने के साथ ही दोपहर में एलआईसी कॉलोनी स्थित मदर टेरसा आश्रम में दिव्यांग एवं निराश्रितजनों को फल, मिठाई एवं होली के लजीजदार व्यंजनों का वितरण किया गया।

प्रातः 10.30 बजे लक्ष्मीनगर स्थित सद्गुरू गौशाला में मालवा जैन महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता यशवंत भंडारी, भारतीय जैन संघटना के जिलाध्यक्ष सुनिल संघवी, आरके लालन, वरिष्ठ डॉ. प्रदीप संघवी, अनिल रूनवाल, नवरत्न परिवार झाबुआ से राजेन्द्र जैन, शशांक संघवी, आरजू संघवी, शार्दुल एवं जिनांश भंडारी आदि ने सर्वप्रथम आचार्य नवरत्न सागरजी मसा के जयकारे लगाकर श्री नमस्कार महामंत्र के जाप किए। बाद सभी गौ-माताओं को गौ-ग्रास करवाया। यहां सभी ने गौशाला की व्यवस्थाएं भी देखी।

आचार्य श्रीजी की तस्वीर पर किया माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन

दोपहर 3 बजे से स्थानीय लक्ष्मीनगर स्थित मदर टेरसा आश्रम पर कार्यक्रम हुआ। जिसमें सर्वप्रथम आचार्य नवरत्न सागरजी की तस्वीर पर माल्यार्पण भारतीय जैन संघटना के जिलाध्यक्ष सुनिल संघवी एवं जिला महामंत्री राजेन्द्र आर भंडारी ने किया। दीप प्रज्जवलन सचिन जैन एवं अर्पित चौधरी ने करते हुए आश्रम में निवासरत सभी दिव्यांग एवं निराश्रितजनों को प्रभावशाली ओम महामंत्र एवं श्री नमस्कार महामंत्र का जाप यषवंत भंडारी ने करवाया।

होली पर्व भी मनाया

इस अवसर पर मदर टेरेसा आश्रम में होली पर्व मनाते हुए सभी दिव्यांग एवं निराश्रितजनों को सूखे रंग लगाकर धुलेंडी पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की गई। साथ ही उन्हें स्वादिष्ट व्यंजन खिलाने के साथ आचार्य श्रीजी के जन्मोत्सव के उपलक्ष में फल एवं लड्डूओं का वितरण किया गया। अंत में सभी को चाय भी पिलाई गई। उक्त संपूर्ण आयोजन के लाभार्थी निखिल, शार्दुल, जिनांश भंडारी, संदीप जैन, राजेन्द्र जैन, सचिन जैन एवं अर्पित चौधरी थे। व्यवस्था में विशेष सहयोग श्वेतांबर जैन श्री संघ के सह-सचिव रिंकू रूनवाल ने प्रदान किया। अंत में उक्त आयोजन हेतु आभार आश्रम की सिस्टर्स की ओर से माना गया।

आदिवासी समाजसेवी मगनभाई का निधन

माही की गूंज, अलीराजपुर। आदिवासी समाज के समाजजेवी मगनभाई कनेश (37) के आकस्मिक निधन से उनके गृह ग्राम बडदला सहित क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। रविवार को विधायक मुकेश पटेल बडदला पहुंचे और उनके अंतिम दर्शन कर श्रद्धासुमन अर्पित किए, उन्होने शोक संतप्त परिवार को ढाढस बंधाया। बता दे कि, स्व. मगन भाई ''खेडुत मजदूर चेतना संगठन'' और ''धांस ग्रामीण विकास केंद्र'' के माध्यम से जुडे हुए थे। उन्होने क्षेत्र में सिलिकोसिस बिमारी से पीडित परिवारों को न्याय दिलवाने में अहम योगदान दिया। आदिवासी समाज के हक व अधिकारों के लिए राष्ट्रीय स्तर तक आवाज उठाई। इसके अलावा उन्होने जल, जंगल, जमीन बचाओ तथा आदिवासी संस्कृति बचाओ सहित कई उल्लेखनीय कार्य आदिवासी समाज हित के लिए किए।

मगनभाई कनेश के निधन पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, कार्यवाहक अध्यक्ष ओम राठौर, बापू पटेल, दिलीप पटेल, पुष्पराज पटेल, पियुष पटेल सहित समाजजनों ने शोक व्यक्त किया।

आदिवासी संस्कृति का महापर्व भगोरिया का होलिका दहन के साथ हुआ समापन

माही की गूंज, झाबुआ।

होलिका दहन के आठ दिन पूर्व से आदिवासी अचल झाबुआ, अलिराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन जैसे क्षेत्रों में आदिवासी महापर्व भगोरिया की धुमधाम रहती है। इन आठ दिवस में पड़ने वाले भगोरिया पर्व पर स्वस्फूत्त हजारों आदिवासी जन पड़ने वाले भगोरिया हाट को पर्व के रुप में मनाने पहुेचते हैं। होलिका दहन के साथ इस पर्व की समाप्ति हो जाती है। आदिवासी संस्कृति के महान पर्व भगोरिया पर्व पर रविवार को अंतिम भगोरिया के रुप में झाबुआ तथा ढोल्यिावड़ में भगोरिया में भारी भीड़ उमड़ी। चारों ओर हजारों की संख्या में आदिवासीजन माता, बहने, नौजवान, बच्चे ढोल मांदल तथा थाली की थाप पर झुमते गाते नाचते नजर आए। तो वहीं झुला झकरी का लुत्त भी लेते दिखाई दिये। कोरोना के चलते इस बार राजनैतिक दलों ने अपनी अपनी गैर निकालकर शक्ति प्रदर्शन नही किया, परंतु अंतिम दिवस रविवार को स्थानीय दिलीप क्लब झाबुआ के स्थानीय परिसर में क्षैत्रीय सासंद गुमानसिंह डामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष नायक, भाजपा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य दौलत भावसार,

अजजा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभोर, पूर्व विधायक शांतिलाल बिलवाल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भानु भुरिया, नगर मंडल अध्यक्ष अंकुर पाठक, हरु भुरिया, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, संगीता पलासिया सहित कई भाजपा नेता दिलीप क्लब प्रागंण में एकत्रित हुए। भाजपा तथा सासंद की ओर से सभी ढोल वालों को साफा बांधकर उनका सम्मान किया। वहीं इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारीयों को भी साफे बांधे गये। महिला मोर्चे की टीम पदाधिकारी संगीता पलासिया, सायरा खान, अनीता भगोरा के नेतत्व में आदिवासी संस्कृति के परिधान तथा गहने पहनकर आई, इस अवसर पर सांसद अध्यक्ष तथा सभी भाजपा नेताओं ने ढोल मांदल की थाप पर दिलीप क्लब के प्रागंण पर नृत्य करते दिखाई दिए। अंतिम भगोरिया होने के कारण झाबुआ मुख्यालय पर भारी भीड़ उमड़ी पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के माकुल इंतजाम किए। वहीं सांसद ने कोविड-19 के रथ को रवाना करते हुए भाजपा का झंडा दिखाकर रवाना किया। मास्क का वितरण भी इस अवसर पर किए गए। टीका लगाने की समझाइश भी उपस्थित बुजुर्गों को दी गई।

डीजे के ध्वनि प्रदूषण ने कर रखा नाक में दम

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

होली त्यौहार के साथ-साथ में चल रही शादी के सीजन में इन दिनों बाजार में काफी भीड़-भाड़ देखी जा रही है, साथ ही दो - चार पहियां वाहनों से बाजार में ट्राफिक जाम हो रहा है। इतना सब कुछ होने के बाद भी बाजार में डीजे के साथ बारात निकाली जाती है तो पूरी तरह से चक्का जाम हो जाता है। दुकानदार भी उड़ती धूल के कारण परेशान होते हैं। डीजे वालों को आवाज कम करने या बंद करने का कहो तो लड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं, मगर इन्हें कोई रोकने वाला नहीं है। क्या प्रशासन आंख मूंदकर बैठा हुआ है? बाजार से जब डीजे निकलते हैं तब घरों के बर्तन नीचे गिर जाते हैं, घर की छत भी कप-कपाने लगती है, पूरे घर में धू-धू की आवाज आने लगती है, डीजे की तेज आवाज से कान भी सुन्न हो जाते हैं और सर दर्द भी शुरू हो जाता है। लेकिन कोई देखने व सुनने वाला नहीं है। इसके अलावा बाजार में जो इलेक्ट्रॉनिक दुकान है वह भी अपने लाउड स्पीकर एवं माइक स्पीकर तेज आवाज में चलाते हैं। जो स्पीकर रिपेयर के लिए आते हैं उन्हें टेस्ट करने के लिए भी आधे-आधे घंटे तक फुल आवाज में बजाकर चेक करते हैं, जिन्हें भी कोई रोकने वाला नहीं है। अब राम भरोसे इस प्रशासन को चाहिए कि, सभी डीजे संचालक व बाजार में इलेक्ट्रॉनिक दुकानों को समझाइश दे, कड़ा कदम उठाए या फिर उनके ऊपर कठोर कार्रवाई कर इस ध्वनि प्रदूषण को बंद करवाएं। प्रशासन को चाहिए कि, जो भी बारात निकलती है वह बाजार में डीजे बंद करके ही निकालें, जिससे ध्वनि प्रदूषण न हो और लोगों को तकलीफ भी न हो। गांव में कितने ही लोग हार्ट पेशेंट है, कई लोग अन्य बीमारी से ग्रस्त हैं जिन्हें भी काफी दिक्कत होती है।

इन दिनों शादी के सीजन में बाहर से भी कई लोग आ रहे हैं, भीड़ की भरमार है। ऐसे में कोरोना जैसी महामारी से भी ग्रस्त लोग होंगे, लेकिन कोई भी मास्क का उपयोग नहीं कर रहा है और न ही बाजार में कोई दुकानदार मास्क का प्रयोग करता दिखाई दे रहा है। ऐसे में निश्चित ही एक दिन यह महामारी पूरे गांव, कस्बे में फैल सकती है, प्रशासन को इस और भी ध्यान देना चाहिए, प्रशासन अलाउंस कर एक बार बाजार में मास्क लगाने की चेतावनी देना चाहिए, जिससे व्यापारी वर्ग के साथ ही ग्राहक भी मास्क लगाए व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो। यह सब प्रशासन की सख्ती से ही संभव है।

भ्रष्टों ने शौच को ही खाकर अपनी सोच को भी शौच की तरह ही बना दिया

माही की गूंज, झाबुआ/भामल

स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश में बिना भ्रष्टाचार के स्वच्छता की और कार्य करने का देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वप्न है। स्वच्छता मिशन के तहत प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील कर इस अभियान को विश्व ख्याति प्राप्त करने के लिए देश के हर नागरिक से सहयोग की अपेक्षा भी की है। देश का आम नागरिक उक्त स्वच्छ भारत मिशन को आत्मसात कर स्वच्छता की और अपने कर्तव्य की पूर्ति कर रहे हैं।

वडलीपाड़ा में भ्रष्टों ने आगे दिवारों की रंगाई-पुताई कर अधुरे सामुदायिक शौचालय को बता दिया पुर्ण।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर-घर शौचालय व सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालय एक अभियान के तहत कार्य को अमलीजामा पहनाने के लिए योजना के तहत हर ग्राम पंचायतों में बनवाए गए व बनवाए जा रहे हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वप्न को धूमिल करने में उनके ही शासन में उनके ही नुमाइंदे शौच को भी खाकर अपनी भ्रष्टाचार रूपी सोच कितने निचले स्तर तक गिरी हुई है, प्रदर्शित करने के साथ ही भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार का कितना बड़ा बोलबाला है, यह भी प्रदर्शित करने में कोई कसर भ्रष्ट नहीं छोड़ रहे हैं। इस विश्वव्यापी प्रसिद्ध अभियान को भ्रष्ट नुमाइंदे शौचालय का खाकर शौच के गड्ढे में योजना को डालने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

एक वर्ष पुर्व रूपारेल में बना सार्वजनीक शौचालय उपयोग विहिन होकर दर्शा रहा निर्माण कार्य की गुणवत्ता को।

बात करें थांदला जनपद के ग्राम पंचायत भामल की ही तो, यहां पर 2018-19 में दो 48-48 हजार के सार्वजनिक शौचालय स्वीकृत हुए। लेकिन ग्राम पंचायत से लेकर जनपद व जिला स्तर तक बैठे सरकार के नुमाइंदों एवं जनप्रतिनिधि की सामूहिक भ्रष्टाचारी बेला में उक्त कार्य की राशि को कैसे विकास व निर्माण कार्य के नाम देकर आहरण की जाए और अपनी जेब भरने की योजना बनाई गई। जबकी उक्त स्वच्छ मिशन के तहत आम लोगों को मूत्र विसर्जन एवं शौच हेतु सुविधा युक्त सार्वजनिक शौचालय हेतु उपयोगी स्थान का चयन नहीं किया और न ही ये आमजनों के लिए उपयोगी रहे की स्थानिय योजना बनाई। भ्रष्टों ने एक सार्वजनिक शौचालय ग्राम पंचायत के उपसरपंच मांगू सिंह चौहान के निजी वाडे में ग्राम के मुख्य मार्ग से हटकर उपयोग विहीन शौचालय का घटिया निर्माण कर विकास एवं सुविधा के नाम पर राशि आहरण कर शौच की राशि डकार गए। नतीजन उक्त शौचालय में शौच करना तो ठीक यहां जाकर किसी ने मूत्र विसर्जन भी नहीं किया और आज महज एक वर्ष में ही खंडहर के रूप में उक्त शौचालय पड़ा है, दरवाजे भी जो लगे हैं किट खा रहे हैं, वहीं दो दरवाजे निकाल कर भ्रष्टों ने बेच भी दिए।

इसी तरह पंचायत के ग्राम रूपारेल के आमली फलिए की खाई में शौचालय का घटिया निर्माण किया, जहां भी न पानी की सुविधा है न कुछ और। उक्त शौचालय भी खंडहर होकर निर्माण की घटीया गुणवत्ता दर्शाते हुए एक वर्ष में ही शौचालय की छत एवं दीवार टूट कर जर्जर हो गई है। वही 15 जुलाई 2020 को कलेक्टर से स्वीकृत लागत 3 लाख 30 हज़ार का सामुदायिक शौचालय स्वीकृत हुआ, उक्त सामुदायिक शौचालय को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा कर भ्रष्टों ने अपनी सोच के साथ शौच की राशि खाकर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया।

कार्य पूर्ण के बाद ही किसी भी भवन का होता है कलर

यह सामान्यतः है कि, कोई भी शासकीय भवन का निर्माण होता है, तो निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ही भवन की रंगाई-पुताई एवं योजनाओं का उल्लेख कर लिपिक कार्य एवं स्लोगन लिखने के बाद उसकी ओपनिंग की जाती है। परंतु भ्रष्टों की शौच को भी खाने की पद्धति के साथ भ्रष्टाचार की डुबकी लगाने वाले भ्रष्टों ने वडलीपाड़ा में प्राथमिक स्कूल के पास आमजन की सुविधा के लिए शौचालय का बाहरी निर्माण करके रंगाई-पुताई व सामुदायिक स्वच्छता परिसर लिख, दीवारों पर 'शौचालय का करे प्रयोग मीटे गंदगी भागे रोग', 'एक कदम स्वच्छता की ओर', 'शौच के बाद साबुन से हाथ अवश्य धोएं' आदि के साथ पुरुष व महिला के प्रथक-प्रथक शौचालय उपयोग हेतु लोगो लगाकर लिखवा दिया। वहीं बाहर से कार्य पूर्ण का फोटो खींच अपनी भ्रष्ट रूपी कार्य प्रवृत्ति को पूर्ण कर राशि आहरण कर ली। जबकी अंदर किसी प्रकार का भी शौचालय सुविधा हेतु निर्माण नहीं किया गया, वरन अंदरूनी हिस्से में दीवार पर न ही प्लास्टर किया गया, न ही फर्श लगाए गए। बावजूद भ्रष्टों की चैनल ने चैनल के बाहर व दीवारों पर रंगाई-पुताई कर कार्य को पूर्ण बता दिया।

मल-मूत्र का खाने वाले नहीं कर सकते सच का सामना

माही की गूंज का नाम बेबाकी के साथ सच लिखने का कुछ ही समय में अपनी प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका है। नतीजन मल-मूत्र की राशि खाने वाले नहीं कर सकते सच का सामना यह तय है। गूंज कार्यालय से मामले में जानकारी लेने हेतु थांदला ब्लॉक समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन ज्योति भाभर से जानकारी लेने हेतु 7987402839 पर दो-तीन बार कॉल किया पर मोबाइल अटेंड नहीं किया, जिसके बाद स्विच ही बंद कर दिया।

उपसरपंच के खेत के वाडे में बना सार्वजनिक शौचालय एक वर्ष में ही हो चुका खंडहर।

चुंकी साफ जाहिर होता है कि, मैडम ने भी भ्रष्टाचार रूपी चैनल में शामिल होकर शौचालय का रुपया खाया है। नतीजन माही की गूंज का नाम ट्रूकॉलर पर देखकर मल-मूत्र का रूपया खाने वाली मैडम साहिबा ज्योति भाभर हमारे सच का जवाब नहीं दे पाने के कारण अपना मोबाइल बिना बात किए ही स्विच ऑफकर दिया।

बिजली विभाग की लापरवाही से हुआ अगजनी का बड़ा हादसा

लाखो का सामान जल कर हुआ था खाख, मालिक ने बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहराते हुए दर्ज करवाई रिपोर्ट

माही की गूंज, पेटलावद।

25 मार्च की दोपहर नगर के बामनिया रोड स्थित इलेक्ट्रॉनिक समान के गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लग गई थी, आग के विकराल रूप लेने के बाद गोदाम में रखा लाखो का इलेक्ट्रॉनिक समान कूलर, फ्रीज, वॉशिंग मशीन सहित कई प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य सामान जल राख हो गया और चार से पांच घण्टो की बड़ी मशक्कत के बाद रहवासियों और नगर परिषद की फायर ब्रिगेड द्वारा मोके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया।

गोदाम मालिक ने की शिकायत

बामनिया रोड स्थित गोदाम नगर के पटवा इलेक्ट्रॉनिक का था। उक्त गोदाम चद्दर पोश बना होकर लगभग 100 से 150 फीट लंबा था, आग कैसे लगी इसका पता नही लग सका था, लेकिन गोदाम मालिक द्वारा थाने में की गई रिपोर्ट के अनुसार उक्त घटना के पीछे बिजली विभाग की लापरवाही सामने आ रही है। गोदाम मालिक पीयूष पिता अनिल पटवा ने आवेदन में बताया कि, गोदाम में हमेशा ताला लगा रहता है और गोदाम में विद्युत कनेक्शन भी नही है। आग लगने की सूचना रोहित चावड़ा द्वारा दी गई और उसने बताया कि, गोदाम के ऊपर से जा रहे विधुत तारो में शॉट सर्किट हो रहा है और गोदाम से भी धुंवा निकल रहा है। जब गोदाम की चाबी लेकर पहुंचा तो ताला खोलते समय करंट लगा, जिसके बाद बिजली विभाग को सूचना दी गई और उनके द्वारा बिजली कनेक्शन कटने के बाद ही आग बुझाने का काम शुरु किया जा सका।

करंट फैलता तो हो जाता बड़ा हादसा

पेटलावद में पूर्व में भी जिलेटिन की छड़ की दुकान में उठी आग की लपटों को देख कर भीड़ जमा हो गई थी और अचानक हुए ब्लास्ट में सेकड़ो परिवार बर्बाद हो गए और 79 लोगो की जान चली गई थी। गोदाम में लगी आग के दौरान भी बड़ा हादसा हो सकता था क्योंकि पूरा गोदाम लोहे के चद्दर से बना था और उसमें करंट फेल गया था, यदि समय पर इसकी जानकारी नही मिलती तो आग बुझाने के दौरान करंट ओर पानी के संपर्क में आने से कई लोग करंट की चपेट में आ जाते।

50 लाख से अधिक का हुआ नुकसान

उक्त गोदाम में हुई अगजनी की घटना में 50 लाख से अधिक का नुकसान होना बताया जा रहा है। गोदाम में रखे फ्रीज, कूलर, एसी, डिफ्रिज, सोफे, बिस्तर, अलमारी, फर्नीचर सहित गोदाम में रखा पूरा सामन जलकर खाख हो गया। बिजली विभाग आमजन से उनकी संपत्ति को होने वाले नुकसान की तो पूरी वसुली करता है, लेकिन अब ये देखना है कि, विभाग की लापरवाही से हुए नुकसान की भरपाई कोन और केसा करता है।

बुरा न मानो होली है....

भाजपा ने दी अपने पदाधिकारियों को छूट

माही की गूंज, झाबुआ।

देश और प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने अपने पदाधिकारियों को खुली छूट दी है कि, वह कुछ भी कर सकते हैं और चाल, चरित्र व चेहरे की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी में चारित्रिक प्रमाण-पत्र की आवश्यकता नहीं है। शायद इसलिए भारतीय जनता पार्टी अपने जिलाध्यक्ष व बाउजी पर महिला द्वारा संगीन आरोप लगाए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, इसका अनुकरण दूसरे पदाधिकारी भी कर सकते हैं।

यह जुगलबंदी कोई नया गुल खिलाएगी

भगोरिया मस्ती का पर्व है और मस्ती जात-पात, उच्च-नीच और राजनैतिक भेदभाव नहीं देखती है। लेकिन पिछले दिनों भगोरिया मेले में दो शीर्ष दलों के शीर्ष नेताओं का एक साथ मस्ती में डांस करना नई राजनीतिक संभावनाओं को जन्म दे रहा है। हो सकता है यह राजनीतिक जुगलबंदी डांस, भविष्य में कुछ नए समीकरण पैदा कर दे, जिसकी संभावना कांग्रेस के ही वरिष्ठ नेता ने इशारों ही इशारों में कर दी है।

भारतीय जनता पार्टी में इन दिनों वर्चस्व की लड़ाई चल रही है, जो अपने आपको सुपर भाजपा साबित करने पर तुली है। भगोरिया मेले में इस बार चुनिंदा ही गेर निकाली गई जिसमें कई वरिष्ठ नेता कोरोना संक्रमण के चलते नदारद रहे। लेकिन अंदर के सूत्रों से पता चला है कि, भाजपा में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, वरिष्ठ नेताओं में मनमुटाव चल रहा है और हर नेता अपने आपको वरिष्ठ नेता साबित करने की कोशिश कर रहा है। ''तेरी शर्ट से ज्यादा सफेद मेरी शर्ट है'' यह साबित करने में अंततः भाजपा को ही नुकसान होना तय है।

कांग्रेस संगठन शून्यता की ओर

राजनीति में सशक्त विपक्ष का होना नितांत आवश्यक है। लेकिन लगता है कि, कांग्रेस अपनी सरकार जाने के गम को 1 वर्ष बाद भी भुला नहीं पाई है, कांग्रेस संगठन में सत्ता के विरोध को लेकर कोई हलचल नहीं दिख रही है। भाजपा जहां अपने एक वर्षीय कार्यकाल को एक साल बेमिसाल कह रही है, वही कांग्रेस संगठन द्वारा इसका कोई विरोध नहीं किया जाना आम जनता को आश्चर्यचकित कर रहा है। दबी जुबान से कई लोग कह रहे हैं कि, कांग्रेस का इस प्रकार का आत्मसमर्पण समझ से परे है, कहीं यह शक्ति किसी बड़े तूफान की ओर इशारा तो नहीं कर रही है। अंदर की जानकारी रखने वाले बताते हैं कि, कांग्रेस नेतृत्व से नाराज कई असंतुष्ट नेता अवसर की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

लॉकडाउन को लेकर माफिया उत्साहित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदा को अवसर में बदलने का नारा क्या दिया, कई माफियाओं के तो चेहरे खिल उठे, वे प्रत्येक योजनाओं में अवसर खोजने लग गए। गत वर्ष के लॉकडाउन में जिन माफियाओं ने आपदा को अपने लिए अवसर में बदला, वे एक बार फिर कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के साथ ही सक्रिय हो गए और वह जोर-शोर से प्रचार करने में जुट गए कि, लॉकडाउन लगने वाला है और एक बार फिर वे सक्रिय होकर इस आपदा का अपने लिए अवसर में बदलेंगे, ऐसा उनका सोचना है। लेकिन फिलहाल ऐसी कोई संभावना नजर नहीं आ रही है।

बहरहाल माही की गूंज आपसे अपील करता है कि, हमेशा सकारात्मक सोचे... शारीरिक दूरी बनाए रखें... हमेशा मास्क का प्रयोग करें... आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले... भीड़-भाड़ वाले इलाको में न जाए... और अपनी बारी आने पर वैक्सीन अवश्य लें।

हमारे यहां चरश, गांजा, स्मेक मिलती है, असामाजिक तत्वों और भटके हुए युवाओं के ऐशगाह बने लाखो के भवन

बनने के बाद से एक बार भी नहीं खुले भवन, सरकारी संपत्ति का कर रहे नुकसान

माही की गूंज, पेटलावद।

आम जनता के जेब पर टैक्स का बोझा डाल कर विकास के नाम पर निर्माण कार्य किए जा रहे है, लाखो रुपए के खर्च के बाद बने भवन एक बार भी उपयोग में नही आए और धीरे-धीरे ये लाखो के भवन जर्जर होकर अपना अस्तित्व खोते जा रहे है और अब ये असमाजिक तत्वों और भटके हुए युवाओं के अय्याशी की जगह बनकर रह गई है, जहां समाज मे फैली हर उस गंदगी को यहां बड़े सुकुन से अंजाम दिया जाता है। बात कर रहे है पेटलावद की जहां वर्षो से दो भवन जिनकी कीमत लाखो में है निर्माण के बाद से ही उपयोग में नही लाए गए और लगातार इन भवनों को लोगो ने नुकसान पहुंचा कर जर्जर कर दिया है। पेटलावद से लगी एक पंचायत के अंतर्गत लगभग 10 वर्ष पूर्व एक भवन लाखो रुपए की लागत से रायपुरिया रोड से थोड़ा अंदर तैयार किया था, बताया जा रहा उक्त भवन टमाटर या प्याज़ भंडारण के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन भवन का कोई उपयोग नही होने से भवन खंडर में तब्दील हो गया और भवन के आस-पास ऐशो आराम की हर सामग्री के साधन फेंके हुए आसानी से देखे जा सकते है, भवन के एक हिस्से को राह से गुजरने वालो ने मूत्रालय में तब्दील कर दिया, विभाग से इसकी जानकारी ली गई तो उनके पास भवन की कोई जानकारी नही है।

मिट्टी परीक्षण केंद की हालत भी खस्ता, किसान निजी लेब में जाने को मजबूर

एक और भवन जिसकी लागत 35 से 40 लाख रुपए बताई जा रही है, नगर के रूपगढ़ रोड पर तैयार किया गया, उद्देश्य था कि, क्षेत्र के किसानों के लिए उनके खेतों की मिट्टी का आसानी से परीक्षण कर उन्हें ये बताया जा सके कि, उनको खेतो में कौन सी फसल बोना लाभदायक होगा, लेकिन भवन बनने के बाद से ही बन्द पड़ा है। भवन का न तो उद्घाटन हुआ न ही मिट्टी का परीक्षण का काम शुरु हुआ न किसानों को लाभ मिला और जागरूक किसान आज भी अपने खेतों की मिट्टी के परीक्षण के लिए दुलाखेड़ी में स्थित निजी लेब पर जाकर मिट्टी परीक्षण करवा रहे है। उक्त भवन के बनने के बाद से भवन के नियत उद्देश्य को पूरा करने के लिए न तो प्रशासन ने कोई कदम उठाया न ही मिट्टी परीक्षण केंद्र को संचालित करने वाले कृषि विभाग ने कोई रुचि दिखाई।

असामाजिक तत्वों ने भवन में कर दी तोड़-फोड़

भवन को बने महज दो वर्ष हुए है लेकिन भवन का ताला आज तक नही खुला और देख-रेख के अभाव में उक्त लाखो की शासकीय संपत्ति असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका है। देर शाम भवन के आस-पास शराबियों का जमावड़ा लग जाता है, तो युवा यहां अपने साथियों के साथ इस भवन के आस-पास बैठकर गांजा, सिगरेट और दूसरे नशे का उपयोग करते है। असामाजिक तत्वों ने उक्त भवन में कांच की खिड़कियों में भी तोड़-फोड़ कर दी और भवन के सभी हिस्सों पर ''भांग, चरस, गांजा, समेक, शराब आदि मिलते हैं'' लिख दिया गया है। भवन के आस-पास शराब की खाली बोतले, सिगरेट पैकेट, कंडोम के रैपर आसानी से देखे जा सकते है।

आखिर कौन जिम्मेदार है इन भवनों के जर्जर होने का

पेटलावद विकास खण्ड की ये दो अकेली बिल्डिंग नही है जो बनने के बाद से अनुपयोगी पड़ी है, नगर सहित ग्रामीण इलाकों में कई भवन या तो अधूरे पड़े है या फिर बनकर शुरु होने का इंतजार कर रहे है। खासकर स्कूल परिसरों में कई भवन आज भी अधूरे पड़े है तो कई स्कूल भवन बनने के बाद शुरु नही हुए है। गनीमत है ये भवन संस्थाओं के परिसर या उनके आस-पास बने है, जिससे असामाजिक तत्वों को उनके दुरुपयोग और नुकसान पहुंचाने का मौका नही मिल रहा है। आखीर इस प्रकार से शासकीय पैसों का दुरुपयोग कर शासन का नुकसान करने वाले जिम्मेदार कौन है, जिनकी जानकारी के बाद भी शासकीय भवन उनके उद्देश्य से भटक कर ऐश-अय्याशी के स्थान बनकर रह गए है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422